RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 184 , सोमवार, 17 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस पर शिक्षण परिसर में फहराया तिरंगा, वंदे मातरम की गूंज से गूंजा परिसर 03

जिहुली पंचायत में सरपंच रितेश कुमार ने ध्वजारोहण के बाद ग्रामीणों को सुनाई ... 04

'प्लेग्राउंड 5' में तेजस्वी प्रकाश का बड़ा बयानःतकनीक बेहतर टूल हो... 07

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि

असाधारण दूरदृष्टि वाले महान राजनेता थे अटल जी, सुशासन और जनकल्याण के प्रति उनका दृष्टिकोण सदैव प्रेरणा देता रहेगा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत केंद्रीय मंत्रियों और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने उनकी समाधि स्थल 'सदैव अटल' पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्री और अन्य नेता शामिल रहे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि राजनेता, कवि और दूरदर्शी अटलजी ने अपना जीवन भारत की एकता, गरिमा और रणनीतिक हितों को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया। राष्ट्र निर्माण, समावेशी नेतृत्व और राष्ट्रीय गौरव के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि अटलजी की अमर विरासत राष्ट्र के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अटलजी असाधारण दूरदृष्टि वाले विलक्षण राजनेता थे और उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचार और प्रयास पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहे तथा उनके नेतृत्व ने देश को सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुशासन और जनकल्याण पर अटलजी का जोर आज भी मार्गदर्शन करता रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी को देशभक्त राजनेता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का एक-एक क्षण राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को नहीं, अलगाव और पूर्वोत्तर को अलग करने वालों को कहा 'दिमागी नक्सल' : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल को लेकर रविवार को स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है, बल्कि यह शब्द माओवादियों, अलगाववादियों और भारत को तोड़ने की विचारधारा रखने वालों के लिए इस्तेमाल किया गया है। रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के बयान की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि माओवाद का समर्थन करने, भारतीय संविधान को अस्वीकार करने, अलगाववादियों के साथ खड़े होने और अनुच्छेद 370 का समर्थन करने वाले लोगों के अलावा पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश करने वालों को 'दिमागी नक्सल' कहा गया है। अपने पोस्ट के साथ रिजिजू ने शर्जील इमाम के एक पुराने बयान का भी हवाला दिया, जिसमें पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने की बात कही गई थी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की जरूरत बताई थी। इसके बाद विपक्षी दलों ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री का इशारा सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्षी दलों और नेताओं की ओर था। रिजिजू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह शब्द उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो माओवादी विचारधारा का समर्थन करते हैं, संविधान को अस्वीकार करते हैं या देश की एकता और अखंडता के खिलाफ अलगाववादी विचार रखते हैं।

भारत में होगी ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह की बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

- 17-18 अगस्त को नई दिल्ली के भारत मंडपम में जुटेंगे सदस्य देश, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर होगा मंथन
- सतत जीवनशैली, वनीकरण, चक्रीय अर्थव्यवस्था और जलवायु अनुकूलन भारत की चार प्रमुख प्राथमिकताएं

भारत अपनी वर्ष 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 17 और 18 अगस्त को नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह से संबंधित महत्वपूर्ण बैठकों की मेजबानी करेगा। इन बैठकों में ब्रिक्स सदस्य देश पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और आपदा के प्रति दृढ़ता से जुड़ी साझा प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श करेंगे तथा मजबूत और टिकाऊ भविष्य के लिए आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। 18 अगस्त को ब्रिक्स देशों के पर्यावरण मंत्रियों की 12वीं बैठक आयोजित होगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे। इससे पहले 17 अगस्त को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह तथा जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर संपर्क समूह की प्राथमिकताओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। ये बैठकें भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 की मुख्य थीम 'सुदृढ़ता, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के अनुरूप आयोजित की जा रही हैं।

पर्यावरण सहयोग को मजबूत करने का मंच : ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक सदस्य देशों के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को साझा पर्यावरणीय चुनौतियों पर सार्थक चर्चा करने, आम सहमति विकसित करने और पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी। बैठक के दूसरे दिन मंत्री स्तर पर परिणामी दस्तावेजों और विभिन्न विषयगत मुद्दों पर चर्चा होगी। इन चर्चाओं से पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति ब्रिक्स देशों की सामूहिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत ने तय की चार प्रमुख प्राथमिकताएं : भारत ने अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान पर्यावरण कार्य समूह के तहत केंद्रित गतिविधियों के लिए चार प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्र निर्धारित किए हैं। सदस्य देशों के बीच व्यावहारिक सहयोग, ज्ञान और श्रेष्ठ प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान तथा पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर आधारित नीति संबंधी परिणामों पर चर्चा की जाएगी। इससे ब्रिक्स देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रति सुदृढ़ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत मार्च से जुलाई 2026 के बीच विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू की।

डीआरआई ने सुपारी आयात में साफ्टा के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का किया खुलासा

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी आयात कर उसे बांग्लादेशी मूल की बताकर दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के तहत मिलने वाली सीमा शुल्क छूट का कथित रूप से बड़े पैमाने पर दुरुपयोग करने वाले एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कई महीनों तक चली जांच में अब तक सरकारी खजाने को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित सीमा शुल्क राजस्व नुकसान का पता चला है। मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई की कार्रवाई के दौरान लगभग 75 लाख रुपये नकद और करीब 160 मीट्रिक टन सुपारी की एक खेप जब्त की गई है। जांच में सामने आया है कि गिरोह इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी मंगाकर उसका मूल देश बांग्लादेश घोषित करता था और इसके बाद साफ्टा के तहत मिलने वाली शुल्क छूट का कथित रूप से गलत लाभ उठाकर भारत में उसका आयात करता था।

सुपारी पर 100 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क : भारत में सुपारी के आयात पर सामान्यतः 100 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगाया जाता है। हालांकि, साफ्टा के तहत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले पात्र उत्पादों को सीमा शुल्क में पूर्ण छूट मिल सकती है।

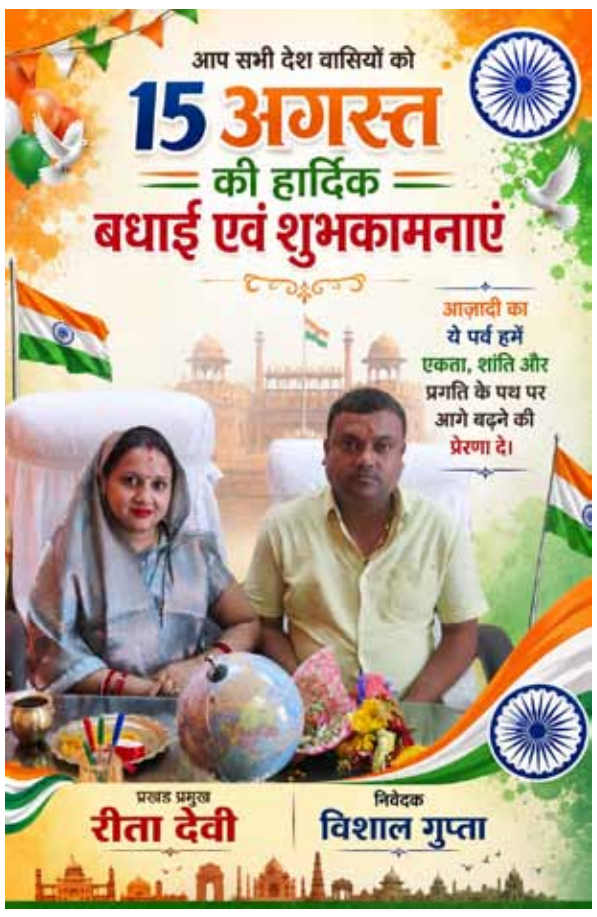

संक्षिप्त समाचार

351 फीट लंबी कांवर लेकर 70 कांवरिए 'गरीबनाथ धाम' चले, 25 कारीगरों ने 10 दिन में तैयार की

हाजीपुर। वैशाली के भगवानपुर प्रखंड के विशुनपुर बांदे गांव से शुक्रवार को 351 फीट लंबी विशाल कांवर के साथ 70 कांवरिए बाबा गरीबनाथ धाम, मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए। कांवरियों ने सुबह करीब 4 बजे छपरा के पहलेजा घाट पर उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरा और नंगे पांव पैदल यात्रा शुरू की। करीब 70 किलोमीटर की इस यात्रा के बाद सोमवार सुबह बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया जाएगा। विशाल कांवर के साथ निकली यात्रा को देखने के लिए जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा माहौल शिवमय हो गया। यात्रा के आयोजक महेश गुप्ता के मार्गदर्शन में 351 फीट लंबी कांवर तैयार की गई है। इसे बनाने में 25 कारीगरों को करीब 10 दिन का समय लगा। आयोजकों के अनुसार, कांवर निर्माण पर करीब ढाई लाख रुपए खर्च हुए हैं। पिछले वर्ष कांवर की लंबाई 331 फीट थी। इस बार इसे बढ़ाकर 351 फीट किया गया है। विशाल कांवर को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह है। आयोजक महेश गुप्ता ने बताया कि यह कांवर यात्रा वर्ष 2019 से लगातार निकाली जा रही है। पहली बार 71 फीट लंबी कांवर के साथ यात्रा शुरू हुई थी। इसके बाद हर साल कांवर की लंबाई बढ़ाई जाती रही। पिछले साल 331 फीट और इस वर्ष 351 फीट लंबी कांवर तैयार की गई है। उनका कहना है कि हर साल शिवभक्तों की संख्या और उत्साह बढ़ रहा है, इसी वजह से कांवर की लंबाई भी बढ़ाई जा रही है।

'फिजिकल रिलेशन बनाया; पति से तलाक करवाकर भाग गया': पीड़िता बोली- 2 बार गर्भपात करवाया

हाजीपुर। 'सूरज ने मुझसे शादी का वादा कर करीब पांच साल मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसने कहा कि वो शादी करेगा। उसके कहने पर मैंने पति से तलाक भी ले लिया,लेकिन जब शादी की बात आई तो वह मुझे छोड़कर भाग गया। वो कहता था, मेरे दोनों बच्चों को भी रखेगा। मेरे साथ उसने धोखा किया है। 2 बार गर्भपात करवाकर भाग गया। मुझे अब न्याय चाहिए।' वैशाली के बिदुपुर की रहने वाली महिला ने पुलिस को यह जानकारी दी है। उसने आरोप लगाया कि एक युवक ने शादी का झांसा देकर 5 साल तक शारीरिक संबंध बनाया और फिर अश्लील तस्वीर वायरल करने की धमकी दी। पति से तलाक लेने के लिए दबाव बनाया और तलाक के बाद शादी से इनकार कर दिया। महिला ने मारपीट, गर्भपात कराने के लिए दबाव और धमकी देने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच चल रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट होगी। आरोपी सूरज के फरार होने की बात कही जा रही है और उसकी तलाश में कार्रवाई की जा रही है। "मेरी शादी साल 2018 में सीतामढ़ी जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के बधारी गांव में हुई थी। मेरी शादी बिट्टू कुमार से हुई थी। मेरे दो बच्चे हैं। एक बेटे का जन्म जनवरी 2019 में और बेटी का जन्म अप्रैल 2021 में हुआ। अक्टूबर 2022 में मैं अपने मायके बिदुपुर आई थी। इसी दौरान मेरी मुलाकात देवेंद्र पंडित के बेटे सूरज कुमार से हुई। सूरज पहले से ही मेरे घर आया-जाया करता था। उसने मेरे पति से दोस्ती कर ली थी। मेरे पति के पास अपना मोबाइल नहीं था, इसलिए उन्होंने सूरज को मेरा मोबाइल नंबर दे दिया था। इसी नंबर पर सूरज मुझसे बात करने लगा। कभी मेरे पति फोन नहीं उठाते थे तो मैं फोन उठा लेती थी और तभी सूरज से मेरी बातचीत होने लगी। धीरे-धीरे हमारी बातचीत बढ़ने लगी। कभी घर में तो कभी रास्ते में हमारी मुलाकात हो जाती थी। एक दिन सूरज मेरे कमरे पर आया। उसके पास नया मोबाइल था और उसने मेरे साथ सेल्फी ली। उस समय मैंने इस बात को सामान्य समझा। उसने घर के दूसरे लोगों के साथ भी फोटो खींची थी, इसलिए मुझे उस समय किसी गलत बात का अंदाजा नहीं था।

'बचपन से पुलिस की वर्दी पहनने का शौक था'

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर की रेल एसपी बीणा कुमारी को इस साल राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले जारी सम्मान लिस्ट में उनका नाम शामिल किया गया है। बिहार से इस कैटेगरी में उनके साथ इंस्पेक्टर जनरल (IG) संजय कुमार का नाम भी शामिल है। करीब 30 साल के पुलिस सेवा काल में बीणा कुमारी ने कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, नक्सल ऑपरेशन, विशेष शाखा, निगरानी अन्वेषण, कमजोर वर्ग, पुलिस प्रशिक्षण और रेल पुलिस समेत कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। रेल एसपी बीणा कुमारी ने बताया कि बचपन से ही वह पढ़ाई में काफी अच्छी थीं और उन्हें गाने का भी शौक था। गायन में रुचि और अच्छी आवाज के कारण माता-पिता ने उनका नाम 'वीणा' रखा था। दसवीं तक स्कूल और अन्य दस्तावेजों में उनका नाम वीणा ही रहा। लेकिन दसवीं बोर्ड परीक्षा के दौरान एक शिक्षक ने स्कूल के रजिस्टर में उनका नाम 'बीणा' दर्ज कर दिया। इसके बाद बोर्ड से लेकर आगे की पढ़ाई और नौकरी के सभी दस्तावेजों में यही नाम चलता गया। आज पुलिस सेवा में इसी 'बीणा कुमारी' नाम से पहचान बनाने वाली अधिकारी के नाम की कहानी भी उनके जीवन के सफर का दिलचस्प हिस्सा है। साल 1996 में जेल सर्विस से शुरू हुआ उनका करियर 1999 में बिहार पुलिस सेवा, 2019 में भारतीय पुलिस सेवा और अब राष्ट्रपति पुलिस पदक तक पहुंचा है। बीणा कुमारी का जन्म साल 1969 में सारण जिले के गरखा थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गांव में हुआ। उनके पिता झारखंड के बोकारो में नौकरी करते थे। ऐसे में उनकी शुरुआती पढ़ाई से लेकर हायर एजुकेशन तक का अधिकांश समय बोकारो में ही बीता। बीणा कुमारी बताती हैं कि उन्हें बचपन से ही वर्दी पहनने का शौक था। इसी लगाव ने उन्हें पुलिस सेवा की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वर्ष 1996 में उन्होंने जेल सर्विस में प्रोविजन ऑफिसर के रूप में नौकरी शुरू की। इसके बाद बिहार पुलिस सेवा में सीधी नियुक्ति मिली।

'साइबर ठगी हुई..गोल्डन आवर में 1930 पर करें कॉल'

मुजफ्फरपुर। साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है। कभी वीडियो कॉल के जरिए अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जा रहा है, तो कभी पुलिस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों को घंटों और कई दिनों तक डराकर रखा जा रहा है। मुजफ्फरपुर में हाल के दिनों में ऐसे मामलों में लाखों रुपए की ठगी के मामले सामने आए हैं। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार ने बताया कि किसी भी तरह का साइबर फ्रॉड होने पर घबराने के बजाय तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। पैसे कटने की स्थिति में सबसे पहले 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं और 24 घंटे के अंदर साइबर थाने में आवेदन दें। साइबर डीएसपी ने बताया कि सेक्सटॉर्शन में अक्सर सोशल मीडिया पर फर्जी महिला प्रोफाइल के जरिए लोगों को निशाना बनाया जाता है। 'एंजेल प्रिया' जैसी आईडी बनाकर पहले दोस्ती या बातचीत शुरू की जाती है। इसके बाद वीडियो कॉल पर आने के लिए उकसाया जाता है। कई मामलों में सामने से चलाया जा रहा वीडियो पहले से रिकॉर्डेड होता है। जैसे ही व्यक्ति वीडियो कॉल पर किसी आपत्तिजनक स्थिति में आता है, उसका स्क्रीन रिकॉर्ड कर लिया जाता है। इसके बाद शुरू होता है ब्लैकमेलिंग का खेल। आरोपी वीडियो को पीड़ित के परिवार और दोस्तों के बीच भेजने की धमकी देकर पैसे मांगते हैं। साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति सेक्सटॉर्शन का शिकार हो जाता है तो डरने या शर्माने की जरूरत नहीं है। पीड़ित को अपराधी के दबाव में आकर पैसे नहीं देने चाहिए और न ही उससे बातचीत या मोलभाव करना चाहिए। सबसे पहले स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित करें। जिस सोशल मीडिया अकाउंट से धमकी मिल रही है, उसका यूजर आईडी और यूआरएल सुरक्षित रखें। साइबर फ्रॉड में सबसे महत्वपूर्ण समय ठगी के तुरंत बाद का होता है। साइबर डीएसपी ने बताया कि पैसे कटने के बाद जितनी जल्दी हो सके 1930 पर कॉल करना चाहिए। इसे 'गोल्डन आवर' के तौर पर देखा जाता है। शिकायत मिलने के बाद संबंधित ट्रांजेक्शन को रोकने और रकम को आगे जाने से बचाने की कार्रवाई की जा सकती है। अगर किसी कारण से 1930 पर तत्काल संपर्क नहीं हो पाता है तो cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही पीड़ित को 24 घंटे के अंदर साइबर थाने में आवेदन देना चाहिए। शिकायत में बैंक ट्रांजेक्शन, मोबाइल नंबर, स्क्रीनशॉट, चैट, लिंक और अन्य उपलब्ध डिजिटल साक्ष्य देना जांच में मददगार हो सकता है।

पीएम मुद्रा लोन का झांसा देकर साइबर ठगी, पटना में 9 गिरफ्तार

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर देते थे विज्ञापन, प्रोसेसिंग फीस-जीएसटी के नाम पर करते थे ठगी

एजेंसी, पटना

पीएम मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर सोशल मीडिया के जरिए साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पटना साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के 9 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में एक अन्य व्यक्ति की संलिप्तता भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य संगठित तरीके से लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगी करते थे। साइबर अपराधी फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पीएम मुद्रा लोन दिलाने का विज्ञापन डालते थे। विज्ञापन देखकर संपर्क करने वाले लोगों से अलग-अलग बहाने से पैसे वसूलते थे।

पहले प्रोसेसिंग फीस, फिर GST, सिविल स्कोर सुधारने और लोन अप्रूवल के बहाने बनाकर पैसे की मांगते थे। रकम मिलने के बाद आरोपी लगातार अलग-अलग शुल्क के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठते थे।

22 मोबाइल और 12 ATM कार्ड बरामद: पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से 22 मोबाइल फोन, 4 सिम कार्ड, 12

एटीएम कार्ड, एक लैपटॉप, दो कॉपियां, एक पासबुक और 51,400 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को आरोपितों के मोबाइल फोन से देश के अलग-अलग राज्यों में दर्ज एनसीआरपी साइबर ठगी की शिकायतों की जानकारी भी मिली है। इससे गिरोह के दूसरे राज्यों में सक्रिय नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है।

नवादा से लेकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना तक के आरोपी: गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के साथ-साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के रहने वाले युवक भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों में जितु राज, कादम हर्षवर्द्धन, गोरंटला अरुण साई, आकाश कुमार, कस्तुरी हरिश, कोटा शाथन, गंगुला सूर्यप्रकाश, राहुल कुमार और रौशन कुमार शामिल हैं। इनमें नवादा और नालंदा के अलावा आंध्र प्रदेश के करीमनगर तथा तेलंगाना के विभिन्न जिलों के आरोपी शामिल हैं।

अन्य लोगों की तलाश में जुटी पुलिस: पटना साइबर थाना में इस मामले में कांड संख्या 1120/26, दिनांक 15 अगस्त 2026 दर्ज किया गया है। आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब बरामद मोबाइल, सिम, लैपटॉप और बैंकिंग दस्तावेजों की जांच के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, बैंक खातों और ठगी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। इस कार्रवाई में पटना साइबर थाना के पुलिस निरीक्षक महानंद झा, पुलिस अवर निरीक्षक शंभव शर्मा, पुलिस अवर निरीक्षक अनुज कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

दुकान से 9000 रुपए लेकर निकला, युवक की लाश मिली

एजेंसी, पटना

- घर से दोस्तों के साथ घूमने का बोला था, परिजन बोले- गंगा में डुबाकर मार डाला

पटना के दीघा थाना क्षेत्र में मरीन ड्राइव के पास फुलवारी शरीफ गयास नगर के रहने वाले युवक इरफान(18) की बॉडी गंगा नदी से मिली है। इसे लेकर मृतक के पिता ने दीघा थाने में तीन दोस्तों पर हत्या की आशंका जताते हुए केस दर्ज कराया है। मृतक इरफान मैट्रिक पास करने के बाद पास में एक मुर्गा की दुकान में काम करता था। मृतक के बड़े भाई मोहम्मद इरशाद के मुताबिक इरफान को दोपहर 1:30 बजे उसका दोस्त अब्दुल अपने साथ बुलाकर ले गया। इसके बाद दोबारा इरफान घर पर आया। इसकी थोड़ी देर के बाद उसके तीन दोस्त शोएब, अब्दुल और हमाज आए।

9000 रुपए लेकर राशन लाने की बात कहकर निकला: इसके बाद इरफान घर पर मुर्गी दुकान के ऑनर से 9000 रुपए लेकर राशन लाने की बात कहकर दोस्तों के साथ निकल गया। वहां दुकान से जाकर रुपए भी ले लिए। सामान की लिस्ट के लिए उसने कॉल भी घर पर किया। लेकिन देर रात 9 बजे तक घर नहीं लौटा तो मेरी बहन 9:25 में इरफान के नंबर पर कॉल किया। दोस्तों ने कॉल रिसीव करने के बाद बताया कि इरफान मरीन ड्राइव से डूब गया है। हमलोग खोजबीन कर रहे हैं। दूसरी बार मेरी बहन ने कॉल किया तो रोने की आवाज आ रही थी। इरफान बोल रहा था छोड़ दो... छोड़ दो... इस घटना के बाद रात 10 बजे के करीब जब हमलोग वहां पहुंचे तो अब्दुल और हमाज वहीं थे। जबकि शोएब भाग गया था। इसके एक घंटे के बाद इरफान का ATM अब्दुल और मोबाइल हमाज के पास से मिला। मुझे आशंका है कि इन्होंने डूबाकर मार डाला है। दीघा थानेदार अवनीश कुमार ने बताया कि परिजनों की ओर से आवेदन दिया जा रहा है। आवेदन के आधार पर कार्रवाई होगी।

सोशल मीडिया पर पिस्टल के साथ रील्स डालना पड़ा भारी

एजेंसी, पटना

पटना के श्रीकृष्णापुरी इलाके से इंस्टाग्राम पर पिस्टल के साथ फोटो और वीडियो वायरल हो रही थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, मैगजीन, दो कारतूस, पांच मोबाइल फोन और 15,500 रुपए नकद बरामद किए हैं। वायरल फोटो में दिखाई दे रही पिस्टल का कथित मालिक हिमांशु नाम का युवक फिलहाल फरार है।

जानकारी के मुताबिक, 'SUXHANT XNH' नाम की इंस्टाग्राम आईडी से पिस्टल के साथ फोटो और वीडियो स्टोरी वायरल हो रही थी। इसकी सूचना मिलते ही सत्यापन और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सचिवालय एसडीपीओ-1 डॉ. अनु कुमारी के नेतृत्व में SIT का गठन किया गया।

बिरयानी महल से सुशांत गिरफ्तार: SIT ने छापेमारी कर सुशांत कुमार (19) को बिरयानी महल से गिरफ्तार किया। पूछताछ और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने SP बॉयज हॉस्टल के बगल स्थित एक कमरे से पिस्टल और कारतूस बरामद किए।

इसी दौरान पुलिस ने संजीत कुमार, सोनू कुमार और राज किशोर को भी दूसरी पिस्टल के साथ पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, वायरल रील में जिस पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था, उसका कथित मालिक हिमांशु फरार हो गया। पुलिस पूछताछ में सुशांत ने बताया कि वह SP बॉयज हॉस्टल में घूमने गया था।

तिरंगा रैली के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग, पुलिस के पहुंचते ही भागने लगे युवक, 6 युवक गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- 4 कट्टा और 6 कारतूस बरामद

पटना के मनेर थाना क्षेत्र में रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान बाइक सवार कुछ युवकों द्वारा फायरिंग करने का मामला सामने आया है। छितनावा रोड पर हुई फायरिंग के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए छह युवकों को पकड़ा है। उनके पास से चार देसी कट्टा, छह जिंदा कारतूस और दो बाइक बरामद की गई हैं।

फायरिंग से मची अफरा-तफरी: घटना मनेर थाना क्षेत्र के छितनावा खासपुर सड़क पर शनिवार शाम करीब 4 बजे की बताई जा रही है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दर्जनों युवक बाइक पर सवार होकर तिरंगा रैली निकाल रहे थे। इसी दौरान कुछ बाइक सवार युवकों ने अचानक सड़क पर फायरिंग शुरू कर दी। लगातार गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। हालांकि, घटना में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं है।

लोगों ने डायल-112 को दी सूचना: स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल-112 और मनेर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो फायरिंग कर रहे बाइक सवार युवक भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा कर छह युवकों को पकड़ लिया।

कुछ गिरफ्तार, कुछ युवक स्कूली छात्र: पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए युवक छितनावा, खासपुर और सुअरमड़वा गांव के रहने वाले हैं। इनमें कुछ स्कूली छात्र भी शामिल हैं, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अब आरोपियों से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उनके पास हथियार कहां से आए।

मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया, 'तिरंगा यात्रा के बहाने करीब 24 युवक बाइक पर सवार होकर निकले थे। रास्ते में फायरिंग करने की सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और छह आरोपियों को हथियारों के साथ पकड़ लिया।

फरार युवकों की तलाश जारी: पुलिस अब फायरिंग में शामिल अन्य युवकों की पहचान करने में जुटी है। थानाध्यक्ष के मुताबिक, मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही पुलिस हथियारों के स्रोत का भी पता लगा रही है। स्वतंत्रता दिवस जैसे मौके पर तिरंगा रैली के दौरान खुलेआम फायरिंग की घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

लड़की बनकर बात की, फिर एआई से न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग, 7वीं के छात्र ने दी जान

एजेंसी, पटना

पटना में 11 जुलाई को 7वीं के छात्र आयुष सिंह (12) की संदिग्ध मौत हुई, अब पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया है। आयुष के मोबाइल की पुलिस ने जांच की तो पता चला कि वो किसी से फोन पर अक्सर बातें किया करता था। जिस नंबर से वो बात करता था, उसकी डीपी में लड़की की तस्वीर है। जब मोबाइल नंबर की जांच हुई तो पता चला कि वो लड़की नहीं, लड़का है और साइबर फ्रॉड है। उसकी पहचान हजारीबाग के रहने वाले सुनील साव के रूप में की गई।

सुनील ने AI से आयुष की न्यूड फोटो बनाई थी। उसी फोटो को भेजकर आयुष को ब्लैकमेल किया करता था। परेशान होकर आयुष ने सुसाइड कर लिया। पंखे से लटक कर उसने अपनी जान दे दी थी। इधर, पिता ने बेटे की हत्या होने

- पिता बोले- बेटे को मारकर लटकाया, बॉडी पर निशान थे

का दावा किया है। उनका कहना है कि मेरा बेटा इतना कमजोर नही था कि जान दे दे। आयुष की शरीर पर नाखून के निशान थे।

घर पर अकेला था आयुष: आयुष के पिता रंजीत सिंह वैशाली के रहने वाले हैं। पटना में वे सिलाई का काम करते हैं और रेंट के मकान में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी और छोटा बेटा भी है। रंजीत बताते हैं कि घटनावाले दिन वे पत्नी और छोटे बेटे के साथ मार्केट निकले थे। इसी बीच पड़ोस के एक दुकानदार ने बताया था कि बेटे को किसी ने मार दिया है। रंजीत जब घर पहुंचे तो बेटे आयुष की लाश देखी, जिसके बाद उन्होंने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

फोन से बात करते घर से निकला था आयुष: घटना वाले दिन का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि आयुष घर से निकल रहा है। जिसके बाद वो गली से मेन रोड पर आता है। वो मोबाइल पर किसी से बात करते दिख रहा है। उसे देखकर ऐसा लग रहा था कि वो किसी के आने का इंतजार कर रहा है।

पिता ने कहा- बेटे की हत्या हुई है: पिता रंजीत सिंह ने बताया, 'मुझे यह पूरी साजिश लग रही है। मेरा बेटा सुसाइड नहीं कर सकता है। आरोपी सुनील ने अपने किसी आदमी को भेजकर हत्या कराई है। गला घोंटकर मारा है।' बेटे के शरीर पर चोट के निशान थे। नाखून लगा था। पंखे से फर्श की हाइट बहुत कम थी। पैर उसका फर्श से सटा और मुड़ा हुआ था। भला इतनी कम ऊंचाई में कैसे कोई सुसाइड कर सकता है। घर के आगे से दरवाजा बंद था। मेरी दुकान में घटना के वक्त एक कारगर भी था। जिसने आवाज नहीं सुनी। अगर सुसाइड करता तो जरूर छटपटाहट होती। लेकिन बिल्कुल ऐसा नहीं। हुआ। पीछे का दरवाजा घटना के वक्त खुला था। पुलिस इसे सिर्फ सुसाइड मान कर चल रही है। यह हत्या है, सुसाइड का रूप दिया गया है।

पटना- इंजीनियर की मौत मामले में हत्या का आरोप

एजेंसी, पटना

- दोस्त के घर मिली थी बॉडी, परिजन बोले- नौकरी की तलाश में दिल्ली जा रहा था

पटना के कदमकुंआ थाना क्षेत्र के लोहानीपुर में हर्ष नाम के युवक की संदिग्ध मौत 14 अगस्त को हो गई। इसे लेकर परिजनों ने कदमकुंआ थाने में मृतक के तीन दोस्तों ऋतिक, नमन, ऋषभ के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। हर्ष इंजीनियरिंग करने के बाद जॉब की तलाश में था। हर्ष के चाचा ने बताया कि 13 अगस्त की शाम 4 बजे हर्ष उर्फ भोलू घर से बोलकर निकला कि इंटरव्यू देने दिल्ली जा रहा है। उसकी मां ने उसे 5000 रुपए भी दिए। रात 8 बजे बात हुई, उस वक्त सब ठीक था।

आगे चाचा ने बताया, उसने कहा कि दिल्ली पहुंचकर बात करूंगा। इसके बाद परिवार वाले खा पीकर सो गए। अगली सुबह 14 अगस्त को हर्ष की मां के नंबर पर हर्ष के बेस्ट फ्रेंड रोहित का कॉल आया। उसने बताया कि ऋतिक की मां ने कॉल किया है कि हर्ष बीमार है। जब हमलोग लोहानीपुर पहुंचे तो हर्ष ऋतिक के बरामदे में पड़ा था। मौत हो चुकी थी।

ऋतिक के मां ने हर्ष के परिवार को बताया कि उसे रात में छोड़ने के लिए दो लड़के आए थे, जिनका नाम नमन और ऋषभ है। बस यहां सोने के लिए आया था। चुकी सभी एक दूसरे को पहले से जानते हैं, तो मैं मना भी नहीं कर पाई।

पटना एम्स में जल्द रोबोटिक तकनीक से होगा ज्वाइंट रिप्लेसमेंट

एजेंसी, पटना

पटना एम्स में अब ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी को और अत्याधुनिक बनाने की तैयारी चल रही है। संस्थान में जल्द ही रोबोटिक तकनीक से ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी शुरू की जा सकती है। इसके लिए सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है। सरकार की ओर से सहयोग का आश्वासन मिलने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

एम्स के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट यूनिट के प्रमुख और विभाग के प्रभारी प्रोफेसर डॉ. सुदीप कुमार ने बताया कि वर्ष 2014 में शुरू हुआ ज्वाइंट रिप्लेसमेंट कार्यक्रम अब लगातार विस्तार ले रहा है। अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर और विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में नियमित रूप से मरीजों की ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की जा रही है।

रोज करीब 100 मरीज पहुंच रहे: डॉ. सुदीप कुमार के मुताबिक, पटना एम्स में प्रतिदिन करीब 100 मरीज जोड़ों के दर्द और उससे जुड़ी समस्याओं को लेकर इलाज के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने लोगों को लंबे समय तक रहने वाले जोड़ों के दर्द को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लगातार बना रहने वाला दर्द गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसे में समय पर चिकित्सकीय जांच और उचित उपचार जरूरी है।

26,000 भवन मालिकों की नोटिस पर पार्षद ने जताई आपत्ति, बोले- आवासीय क्षेत्र से सालों निगम ने कमर्शियल प्रॉपर्टी टैक्स कैसे वसूला

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पटना में 26 हजार भवन मालिकों पर नोटिस जारी किया है कि वे आवासीय क्षेत्र में कैसे व्यावसायिक काम कर रहे हैं। इसपर मेयर के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। वार्ड 28 के पार्षद विनय कुमार पप्पू ने इस नोटिस की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इस मामले पर उन्होंने बैठक भी की।

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कोई इलाका वास्तव में आवासीय क्षेत्र घोषित है, तो वहां स्थित भवनों से नगर निगम ने सालों तक कमर्शियल दर से प्रॉपर्टी टैक्स कैसे वसूला? यदि निगम ने किसी भवन को व्यावसायिक मानकर लगातार टैक्स असेसमेंट किया, तो अब उसी भवन मालिक को व्यावसायिक गतिविधि के नाम पर नोटिस जारी करने का आधार क्या है?

नोटिस के बाद आम नागरिकों में भय की स्थिति पैदा हो गई: पार्षद ने कहा

कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का वे पूरा सम्मान करते हैं। मगर जब पटना नगर निगम ने अभी तक पूरे निगम क्षेत्र में आवासीय और व्यावसायिक/गैर-आवासीय क्षेत्रों का स्पष्ट और विधिवत निर्धारण और अधिसूचन ही नहीं किया है, तो फिर किस आधार पर भवन मालिकों एवं व्यवसायियों को इस प्रकार की नोटिस जारी की जा रही है? पटना नगर निगम द्वारा पूरे शहर में भवन मालिकों और व्यवसायियों को जारी नोटिस के बाद आम नागरिकों में भय, चिंता और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है।

निगम को पहले अपने रिकॉर्ड, प्रॉपर्टी असेसमेंट बताना होगा: विनय पप्पू ने कहा कि एक आम नागरिक अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी लगाकर मकान बनाता है और उसी परिसर में छोटी दुकान या व्यवसाय चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। ऐसे नागरिक को अचानक नोटिस देकर भयभीत करना उचित नहीं है। निगम को पहले अपने रिकॉर्ड, कर निर्धारण और क्षेत्रीय अधिसूचन की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि न्यायालय के आदेश के नाम पर आम नागरिक को भयभीत करना स्वीकार्य नहीं हो सकता। पहले निगम यह स्पष्ट करे कि आवासीय क्षेत्र कौन-सा है, व्यावसायिक क्षेत्र कौन-सा है और सालों तक किस आधार पर कमर्शियल टैक्स वसूला गया। जनता से कर लेने के समय भवन व्यावसायिक था और अब नोटिस देने के समय वही गतिविधि अवैध कैसे हो गई? नगर निगम को इसका जवाब देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में सर्वाधिक टोरिक लेंस प्रत्यारोपण का रिकॉर्ड, एमएच लाहन नेत्रालय को मिली बड़ी उपलब्धि

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर के प्रतिष्ठित एमएच लाहन नेत्रालय ने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में केयर ग्रुप द्वारा निर्मित मोनोफोकल टोरिक इंट्राऑक्यूलर लेंस (टोरिक आईओएल) का बिहार में सर्वाधिक प्रत्यारोपण किया गया है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, केयर ग्रुप भारत की अग्रणी तथा विश्व की प्रमुख इंट्राऑक्यूलर लेंस (आईओएल) निर्माता कंपनियों में शामिल है। इसके लेंस देश-विदेश के अनेक अस्पतालों में मोतियाबिंद सर्जरी के दौरान उपयोग किए जाते हैं। नेत्र विशेषज्ञों ने बताया कि सामान्य मोनोफोकल लेंस जहां सर्जरी के बाद मुख्य रूप से दूर की दृष्टि को बेहतर बनाता है, वहीं टोरिक लेंस मोतियाबिंद के साथ कॉर्निया में मौजूद दृष्टि दोष (एस्टिग्मैटिज्म) को भी सुधारने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इससे उपयुक्त मरीजों में बिना चश्मे के बेहतर दूर की दृष्टि मिलने की संभावना बढ़ जाती है। एमएच लाहन नेत्रालय के संचालक डॉ. शरद हेमंत मिश्रा ने कहा, "यह उपलब्धि हमारे लिए केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि मरीजों को उनकी आंखों की जरूरत के अनुरूप सटीक और आधुनिक मोतियाबिंद सर्जरी उपलब्ध कराने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा उद्देश्य बेहतर तकनीक के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को गुणवत्तापूर्ण दृष्टि प्रदान करना है।" अस्पताल प्रबंधन ने इसे मोतिहारी और पूर्वी चंपारण के लिए गौरव का विषय बताते हुए भविष्य में भी अत्याधुनिक नेत्र उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई।

स्वतंत्रता दिवस पर चित्रांश अधिवक्ता मंच कार्यालय में फहराया तिरंगा

बीएनएम@ मोतिहारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मोतिहारी में चित्रांश अधिवक्ता मंच के जिला कार्यालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ तिरंगा फहराया गया। झंडोत्तोलन के बाद उपस्थित अधिवक्ताओं ने राष्ट्रगान गाया और देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति निष्ठा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मंच के जिला कार्यालय के उद्देश्यों और समाजहित में उसकी भूमिका पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं का दायित्व केवल न्यायालय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी और उचित विधिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने कहा कि चित्रांश अधिवक्ता मंच के माध्यम से समाज के लोगों को विधिक सहायता, परामर्श एवं कानून के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार और परामर्श शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर वरीय अधिवक्ता दिवाकर श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, अमरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, संजीव कुमार, शिवेश कुमार, राकेश रंजन, रविभूषण सिन्हा, अनिल कुमार, मनीष वर्मा एवं संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे। कार्यक्रम में देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित अधिवक्ताओं ने राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

71वीं वाहिनी एसएसबी ने हर्षोल्लास से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी एवं वाहिनी के सभी सीमा चौकियों पर रविवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम का मुख्य विषय "वंदे मातरम् के 150 वर्ष" एवं "विकसित भारत@2047 के लिए युवा शक्ति" रहा। कार्यक्रम के माध्यम से वर्ष 2047 तक समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप कमांडेंट सतीश कुमार ने ध्वजारोहण कर किया। इसके बाद महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल का संदेश पढ़कर सुनाया गया तथा सभी बलकर्मियों एवं उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 71वीं वाहिनी के सभी समवायों की ओर से नेपाल एपीएफ के जवानों को सौहार्द के प्रतीक के रूप में सप्रेम मिठाई भेंट की गई। वहीं, सीमावर्ती क्षेत्र के सभी बोर्डर पोस्टों पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। ग्रामीणों को पूर्व में ही 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया गया था। इस अवसर पर उप कमांडेंट सतीश कुमार ने कहा कि एसएसबी सीमा पर तैनात रहकर पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। वाहिनी द्वारा सीमा पर होने वाली अवैध तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के साथ-साथ कोर एरिया में महत्वपूर्ण जब्ती की कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने बताया कि सीमा क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न प्रकार के निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण भी कराए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षणों से स्थानीय लोग स्वावलंबी बनकर अपने जीवन-यापन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले वाहिनी के तीन बलकर्मियों को महानिरीक्षक, एसएसबी सीमांत मुख्यालय पटना की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उप कमांडेंट सतीश कुमार ने सम्मानित कर्मियों को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उनके परिवारजनों के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर शिक्षण परिसर में फहराया तिरंगा, वंदे मातरम की गूंज से गूंजा परिसर

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उद्योगपति एवं भाजपा नेता यमुना सीकरीया ने अपने शिक्षण परिसर में ध्वजारोहण किया। इस दौरान उन्होंने सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सीकरीया ने कहा कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का आयोजन विशेष और ऐतिहासिक है। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पहली बार वंदे मातरम गीत का संपूर्ण गायन किया। साथ ही, वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोली भी बनाई। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम भारत की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने वंदे मातरम गीत को संविधान के माध्यम से अधिकार दिलाया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पहली बार संसद और लाल किले पर वंदे मातरम का संपूर्ण गायन किया गया, जो देश की सांस्कृतिक धरोहर और शक्ति को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्य प्रीति दुबे सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन का तीसरा स्थापना दिवसः स्वच्छता व पौधारोपण से दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने अपना तीसरा स्थापना दिवस अटल चौक (मरीन ड्राइव) पर स्वच्छता अभियान, पौधारोपण और तिरंगा फहराकर मनाया। युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र सेवा का संदेश देते हुए परिसर की साफ-सफाई की तथा पौधे लगाए। मुख्य समारोह में उप-मेयर डॉ. लाल बाबू प्रसाद, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मृत्युंजय और प्रो. उमा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने युवाओं के साथ पौधारोपण किया और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सामूहिक राष्ट्रगान में भाग लिया। संगठन के संस्थापक शाहजादा आज़ाद ने कहा कि भगत सिंह और अशफाकउल्ला खान का सपना केवल राजनीतिक आज़ादी नहीं, बल्कि समानता, एकता और जागरूक समाज का निर्माण था। उन्होंने युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सैयद साहब फैसल, वरुण, अल्तमश, निकिता, जहीर, अमन असलम, समीर सहित संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। समापन "समानता हमारा उसूल, राष्ट्र निर्माण हमारा मूल" तथा "सजग छात्र, सक्रिय युवा, समर्थ समाज" के नारों के साथ हुआ।

स्वच्छता व पौधरोपण से दिया राष्ट्रसेवा का संदेश, आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने मनाया तीसरा स्थापना दिवस

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। आजादी के पावन पर्व और आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के तीसरे स्थापना दिवस के अवसर पर नगर के गांधी चौक के समीप मरीन ड्राइव पर युवाओं ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया। संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने स्वच्छता अभियान और पौधरोपण कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:45 बजे मरीन ड्राइव परिसर में स्वच्छता अभियान और पौधरोपण से हुई। युवाओं ने परिसर की साफ-सफाई के साथ पौधे लगाकर 'स्वच्छ भारत, हरा-भरा भारत' का संदेश दिया। सुबह 10 बजे आयोजित मुख्य समारोह में उप-मेयर डॉ. लाल बाबू प्रसाद तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर मृत्युंजय यादवेन्दु और प्रोफेसर उमा की विशेष उपस्थिति रही। अतिथियों ने संगठन के युवाओं के साथ पौधारोपण किया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया। सभा को संबोधित करते हुए संगठन के संस्थापक शाहजादा आज़ाद ने समाज में पूर्ण समानता और जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अशफाकुल्ला खान और भगत सिंह का सपना केवल राजनीतिक आजादी तक सीमित नहीं था, बल्कि वे ऐसे समाज की कल्पना करते थे, जहां नफरत की जगह एकता हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और प्रकृति के संरक्षण के लिए युवाओं का जागरूक होना ही सच्ची देशभक्ति है। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य सैयद साहब फैसल, वरुण, निकिता, जहीर, अमन असलम, समीर सहित अन्य युवा मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन "समानता हमारा उसूल, राष्ट्र निर्माण हमारा मूल" और "सजग छात्र, सक्रिय युवा, समर्थ समाज" जैसे नारों के साथ हुआ। आयोजन ने चंपारण के युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रसेवा के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया।

आरसेटी मोतिहारी में हर्षोल्लास के साथ मना 80वां स्वतंत्रता दिवस, देशभक्ति के रंग में सराबोर हुआ परिसर

बीएनएम@ मोतिहारी, निरज आनंद

मोतिहारी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), पूर्वी चंपारण, मोतिहारी में शनिवार, 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक बिपिन कुमार ने विधिवत ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। राष्ट्रगान के साथ पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से गुंजायमान हो उठा। उक्त सुअवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए निदेशक बिपिन कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन महान स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों के त्याग, संघर्ष एवं बलिदान को स्मरण करने का पावन दिवस है, जिनके अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति के कारण हमें स्वतंत्र भारत में सांस लेने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आजादी की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हम अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए राष्ट्र की प्रगति में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि युवाओं में हुनर, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का विकास राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला है। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान का उद्देश्य भी प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें कौशलयुक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त करना है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का सदुपयोग करें और अपने हुनर को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करें। निदेशक श्री कुमार ने कहा कि एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। ईमानदारी, अनुशासन, परिश्रम, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रहित की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर ही हम स्वतंत्रता के वास्तविक उद्देश्यों को साकार कर सकते हैं। समारोह के दौरान फैकेल्टी सौमित्र कुमार मिश्रा, डी.एस.टी बबिता कुमारी, संजय कुमार, निरव आनन्द के साथ पशुपालन एवं ब्यूटी पार्लर ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता, प्रगति एवं समृद्धि के लिए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। समारोह का वातावरण पूरे समय उत्साह, उमंग और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत रहा।

महिलाओं के अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम नशे के खिलाफ नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला सदर अस्पताल, मोतिहारी में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा एवं विधिक संरक्षण को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के सचिव नितिन त्रिपाठी ने महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनों और उन्हें प्राप्त कानूनी संरक्षण की विस्तार से जानकारी दी। सचिव ने पूर्व-गर्भाधान और प्रसव-पूर्व निदान तकनीक (PC & PNDT) अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम तथा कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (POSH) अधिनियम समेत अन्य महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान, समानता, गरिमा और सुरक्षा की रक्षा केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा उत्पीड़न, हिंसा, दहेज की मांग अथवा अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में कानूनी सहायता लेने की अपील की। नितिन त्रिपाठी ने निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर लोगों, विशेषकर महिलाओं तथा अन्य पात्र वर्गों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने विधिक जागरूकता का संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान के तहत छात्रों एवं स्वास्थ्य प्रोफेशनल्स ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से नशे के दुष्परिणामों तथा युवाओं और परिवारों पर पड़ने वाले इसके नकारात्मक प्रभावों को सामने रखा गया। कलाकारों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देते हुए लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित लोगों ने नुक्कड़ नाटक की सराहना की और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता दक्ष, पैरा लीगल वालंटियर (PLV) रमन मिश्रा, सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. मुकेश कुमार समेत अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी, छात्र एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, समानता एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ युवाओं को नशे की बुराई से दूर रहने का संदेश देना और सुरक्षित, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर जिला परिषद कार्यालय में ममता राय ने फहराया तिरंगा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला परिषद कार्यालय में शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समारोहपूर्वक ध्वजारोहण किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित जिला पदाधिकारी सौरभ सुमन यादव, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, डीडीसी डॉ. प्रदीप कुमार, कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय सहित अन्य पदाधिकारियों, कर्मियों एवं गणमान्य लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों एवं देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। समारोह में जिला परिषद के पदाधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वतंत्रता दिवस पर हरपुर राय पंचायत में भव्य झंडोतोलन स्वास्थ्य सेवा के लिए शुरू हुई एम्बुलेंस सुविधा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत राज हरपुर राय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी टास. जय माता दी कृषक क्लब के अध्यक्ष सह मुखिया प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में भव्य झंडोतोलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायत के गणमान्य लोगों, समाजसेवियों, क्लब के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। झंडोतोलन के बाद पंचायत के सरपंच पूर्व शिक्षक रघुनाथ पासवान द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगान के दौरान पूरा माहौल देशभक्ति से सराबोर नजर आया। वहीं अमरदीप पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में शानदार भाषण प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लिया और जमकर तालियां बटोरीं। बताते चलें कि जितेन्द्र कुमार लंबे समय से समाजसेवी के रूप में पंचायतवासियों के सुख-दुख में शामिल होकर उनकी सेवा करते आ रहे हैं। इसी क्रम में उनके पुत्र डॉ. अरूण कुमार के चिकित्सक बनने के बाद पंचायतवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंचायतवासियों की स्वास्थ्य सेवा के लिए एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत की गई। इस पहल को स्थानीय लोगों ने समाजहित में एक सराहनीय और महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि फिलहाल पंचायतवासियों की सुविधा के लिए एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराई गई है। आने वाले समय में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी गरीब एवं असहाय बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके और उनका भविष्य उज्ज्वल हो। वहीं जितेन्द्र कुमार ने कहा कि समाज की माताओं एवं बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए जल्द ही सिलाई मशीन उपलब्ध कराकर निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज को मजबूत और विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए लगातार प्रयास जारी रहेगा। झंडोतोलन कार्यक्रम के बाद जितेन्द्र कुमार, स्कूली बच्चों एवं पंचायत के गणमान्य लोगों ने तिरंगा झंडा दिखाकर एम्बुलेंस को पंचायतवासियों की सेवा के लिए रवाना किया। इस मौके पर टास. जय माता दी कृषक क्लब के सचिव हरेंद्र प्रसाद, सदस्य रविन्द्र यादव, कृष्णा गिरी, मोहन साह स्वर्णकार, भुआली भगत, ई. अरविंद कुमार, कौशल कुमार, आनंद कुमार सहित क्लब के सभी सदस्य एवं पंचायत के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कुल मिलाकर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हरपुर राय पंचायत में आयोजित यह कार्यक्रम देशभक्ति के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नई पहल का संदेश देता नजर आया।

संक्षिप्त समाचार

गोविन्दगंज में 25 लीटर चुलाई शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार, किराना दुकान से हो रही थी बिक्री

बीएनएम@ अरेराज/गोविन्दगंज। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए एक किराना दुकान में छिपाकर रखी गई देसी चुलाई शराब बरामद की है। गोविन्दगंज थानाध्यक्ष सच्चिदानंद पांडेय के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने मौके से 25 लीटर चुलाई शराब जब्त की और धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लोकनाथपुर गांव स्थित एक किराना दुकान में सामान की आड़ में अवैध शराब बेची जा रही है। सूचना की सत्यता जांचते हुए थानाध्यक्ष के निर्देश पर एस.आई. कवेंन्द्र कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित ठिकाने पर दबिश दी और दुकान की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान किराना दुकान के भीतर छिपाकर रखी गई 25 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से ही दुकानदार उपेंद्र पासवान, लोकनाथपुर निवासी, थाना गोविन्दगंज को धर दबोचा। मामले के संदर्भ में थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी अपनी दुकान की आड़ में लंबे समय से शराब की तस्करी और बिक्री में संलिप्त था। जब्त शराब को सील करते हुए आरोपी के खिलाफ मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

महावीरी झंडी पर्व को लेकर रामगढ़वा में पुलिस का फ्लैग मार्च

बीएनएम@ रामगढ़वा। आगामी महावीरी झंडी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रामगढ़वा थाना पुलिस ने रविवार देर शाम क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर के नेतृत्व में निकला मार्च थाना परिसर से शुरू होकर शंकर मंदिर रोड, मस्जिद, मल्लेश्वरी चौक, हनुमान मंदिर तथा गोला रोड सहित प्रमुख मार्गों से गुजरा। फ्लैग मार्च में एसआई सुमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, शैलेश्वर सिंह, चौकीदार संजय सिंह, सोनू यादव एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से संवाद कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया और शांति बनाए रखने की अपील की। थानाध्यक्ष संजीव मौआर ने कहा कि त्योहार के मद्देनजर असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सौहार्द बिगाड़ने या अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक सूचना पर विश्वास न करने तथा ऐसी गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। प्रशासन ने बताया कि पर्व को देखते हुए क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

हरसिद्धि पुलिस की दोहरी कार्रवाई: कुर्की वारंटी ने किया आत्मसमर्पण, हत्या मामले की अभियुक्त भी गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना पुलिस ने रविवार को दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए एक कुर्की वारंटी के आत्मसमर्पण और हत्या के एक मामले की अभियुक्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि ट्रायल नंबर 5204/22 के कुर्की वारंटी नेमीलाल साह (पिता–मथुरा साह), निवासी मानिकपुर, थाना हरसिद्धि ने कुर्की की कार्रवाई के भय से स्वयं आत्मसमर्पण कर दिया। इसके अलावा हरसिद्धि थाना कांड संख्या 317/26 (दिनांक 21 फरवरी 2026) में धारा 103 एवं 3(5) बीएनएस के तहत नामजद अभियुक्त जैल मुरारपुर निवासी एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय से फरार वारंटियों एवं गंभीर मामलों के अभियुक्तों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। कानून से बचने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और सभी वारंटों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष्य की वादियां और पहाड़ियों को देखने लंदन और मोतिहारी से पहुंचे पर्यटक

चिकित्सक दंपती समेत परिवार ने जल-जंगल-पहाड़ के अद्भुत संगम का उठाया लुत्फ, वाल्मीकि आश्रम व जटाशंकर मंदिर में की पूजा-अर्चना

बीएनएम@ अरविंद नाथ तिवारी

बगहा। वाल्मीकिनगर का पर्यटन सत्र भले ही समाप्त हो गया हो और वाल्मीकिनगर की वादियों में पर्यटकों की चहल-पहल कुछ कम हो गई हो, लेकिन यहां की प्राकृतिक खूबसूरती का आकर्षण अब भी बरकरार है। यही वजह है कि लंदन से लेकर मोतिहारी तक के पर्यटक वाल्मीकि व्याघ्र आरक्ष्य की हसीन वादियां और पहाडियों की मनमोहक प्रकृति को करीब से निहारने यहां पहुंच रहे हैं। लंदन और मोतिहारी से आए पर्यटकों के एक समूह ने शनिवार और रविवार को वाल्मीकिनगर का भ्रमण कर जल, जंगल और पहाड़ के अद्भुत संगम का आनंद लिया। लंदन के आईटी सेक्टर में कार्यरत अभिजीत कुमार और निधि अपने परिजनों के साथ वाल्मीकिनगर पहुंचे। उनके साथ मोतिहारी के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सौरभ कुमार गौतम, उनकी पत्नी डॉ. अलका, अद्वैत, कुहू, वेदांत, अतुल कुमार, निशु कुमारी और वेदु भी शामिल रहे। एक दिवसीय प्रवास के दौरान पूरे परिवार ने वाल्मीकिनगर के प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण किया।डॉ. सौरभ ने बताया कि वाल्मीकिनगर और वीटीआर के पर्यटन स्थलों के बारे में हम सब ने गूगल के माध्यम से जानकारी जुटाई थी। इंटरनेट पर यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और पर्यटन स्थलों की तस्वीरों ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि परिवार के साथ वाल्मीकिनगर आने की योजना बना ली। वाल्मीकिनगर पहुंचने के

बाद हम सब ने वन विभाग के जंगल कैंप का भ्रमण किया। घने जंगल, पहाड़, नदी और हरियाली के बीच कुछ समय बिताकर उन्होंने प्रकृति के करीब होने का अनुभव किया। इसके बाद पर्यटक वाल्मीकि आश्रम पहुंचे और वहां पूजा-अर्चना कर माथा टेका। जटाशंकर मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा की। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ धार्मिक आस्था का यह संगम उनके लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

उम्मीद से कहीं अधिक खूबसूरत है वाल्मीकिनगर– मोतिहारी के चिकित्सक डॉ. सौरभ कुमार गौतम ने वाल्मीकिनगर की खूबसूरती की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां का शांत वातावरण, चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ और जंगल मन को सहज ही आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि वाल्मीकिनगर जैसी प्राकृतिक संपदा के बीच रहने वाले लोग वास्तव में सौभाग्यशाली हैं। डॉ. गौतम के अनुसार, जिस खूबसूरती की उम्मीद लेकर वे यहां पहुंचे थे, वाल्मीकिनगर उससे कहीं अधिक मनमोहक निकला। प्रकृति की गोद में बिताया गया समय पूरे परिवार के लिए यादगार रहा।

जंगल सफारी के लिए फिर आयेगा परिवार– पर्यटन सत्र समाप्त होने के कारण परिवार इस बार वीटीआर में जंगल सफारी का आनंद नहीं ले सका। डॉ. गौतम ने बताया कि अब करीब दो माह बाद वे फिर वाल्मीकिनगर आयेंगे। इस बार उनका उद्देश्य जंगल सफारी के माध्यम से वीटीआर के वन्यजीवों और जंगल की प्राकृतिक दुनिया को करीब से देखना होगा। लंदन से आए पर्यटकों का वाल्मीकिनगर पहुंचना इस बात का संकेत है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से वीटीआर की प्राकृतिक खूबसूरती की पहुंच अब देश की सीमाओं से बाहर तक हो रही है। यदि पर्यटन सुविधाओं का और विस्तार किया जाय, तो वाल्मीकिनगर देश-विदेश के पर्यटकों के लिए और भी आकर्षक पर्यटन केंद्र बन सकता है। जल, जंगल, पहाड़, नदी और धार्मिक आस्था—इन सबका अनूठा संगम वाल्मीकिनगर को बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अलग पहचान देता है।

जिहुली पंचायत में सरपंच रितेश कुमार ने ध्वजारोहण के बाद ग्रामीणों को सुनाई क्रांतिकारी वीरों की गाथा

बीएनएम@ अरेराज

पताही। प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। पंचायत के सरपंच रितेश कुमार ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इसके बाद उन्होंने मौके पर मौजूद ग्रामीणों एवं पंचायत वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। ध्वजारोहण के बाद सरपंच रितेश कुमार ने देश को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारी वीरों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज हम जिस आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह हमारे वीर शहीदों के वर्षों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने ग्रामीणों को महात्मा

गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, सरदार भगत सिंह सहित तमाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से अवगत कराते हुए कहा कि इन महान वीरों ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया। उनकी वीरता, देशभक्ति और त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। सरपंच ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को केवल याद करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज और देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता, शिक्षा और राष्ट्रहित को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पंचायत वासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा और लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हुए देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

आज तीसरी सोमवारी पर सोमेश्वरनाथ धाम में पहली बार हेलीकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

बिहार, नेपाल व उत्तर प्रदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना, 500 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

बीएनएम@ अरेराज

अरेराज। श्रावण मास की तीसरी सोमवारी एवं नागपंचमी के अवसर पर आज, 17 अगस्त को अरेराज स्थित प्रसिद्ध सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में पहली बार हेलीकॉप्टर से शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की जाएगी। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमेश्वरनाथ धाम, जिसे बिहार का काशी भी कहा जाता है, में बिहार, उत्तर प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल से लाखों श्रद्धालुओं के जलाभिषेक के लिए पहुंचने की संभावना है। रविवार दोपहर से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी रहा। अंचलाधिकारी विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि तीसरी सोमवारी के अवसर पर पटना से विशेष हेलीकॉप्टर मंगाया गया है, जिसके माध्यम से मंदिर परिसर और अरेराज नगर क्षेत्र में श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी। इस पहल से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। एसडीओ अंजली शर्मा, डीएसपी नवीन कुमार, सीओ विनोद कुमार पांडेय तथा थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने मंदिर परिसर, बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थल और प्रवेश-निकास मार्गों का निरीक्षण

किया। सुरक्षा व्यवस्था में 500 से अधिक पुलिस पदाधिकारी, दंडाधिकारी और सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। भीड़ को देखते हुए अरेराज नगर में छोटे और बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी तथा बाहरी क्षेत्रों में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने पेयजल, प्रकाश, साफ-सफाई, स्वास्थ्य शिविर और 24 घंटे नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था भी सुनिश्चित की है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्ग का पालन करने, अफवाहों से दूर रहने तथा सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है, ताकि तीसरी सोमवारी का पर्व शांतिपूर्ण और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

रामगढ़वा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

» **स्वतंत्रता सेनानी की पत्नी सम्मानित, दलित बस्ती के बच्चों में बांटी गईं किताबें**

बीएनएम@ रामगढ़वा

देश की आजादी के 80 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। सरकारी कार्यालयों से लेकर स्कूल, पंचायत भवन और राजनीतिक दलों के कार्यालयों तक तिरंगा लहराया गया। इस अवसर पर प्रखंड प्रशासन ने प्रखंड की एकमात्र स्वतंत्रता सेनानी मरहूम अजीज शम्सी की धर्मपत्नी को सम्मानित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रखंड कार्यालय परिसर में मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। यहां प्रखंड प्रमुख रीता देवी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में उपप्रमुख अरविंद पांडे, प्रमुख प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, बीपीआरओ इंद्रजीत सहित प्रखंड के कई पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ

और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद किया गया। रामगढ़वा थाना परिसर में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर ने ध्वजारोहण किया। पुलिस बल ने तिरंगे को सलामी दी। इसके बाद थाना की ओर से एक सराहनीय पहल करते हुए दलित बस्ती में जाकर बच्चों के बीच किताबें और कॉपियां वितरित की गईं। पुलिसकर्मियों ने बच्चों को देशभक्ति और शिक्षा के महत्व के बारे में भी बताया। राजस्व कार्यालय में अंचलाधिकारी अमित कुमार ने झंडा फहराया। बीडीओ राकेश कुमार ने दलित बस्ती में पहुंचकर ध्वजारोहण किया और स्थानीय लोगों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि आजादी का असली मतलब तब है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान और अवसर के साथ आगे बढ़े। शैक्षणिक संस्थानों में भी माहौल देशमय रहा। रामगढ़वा डिग्री कॉलेज में प्राचार्य पवन यादव ने ध्वजारोहण किया।वही प्राथमिक विद्यालय खोड़वा में प्रधान सिक्षिका आसमीन सहनाज ने ध्वजरोहण किया ,क्रिएशन गुरुकुल स्कूल में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम की गाथाओं को मंच पर जीवंत किया। कार्यक्रम के अंत में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। जीविका कार्यालय में बीपीएम विश्वजीत कुमार और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने भी तिरंगा फहराया। पलनवा थाना में थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण किया इनके साथ अपर थानाध्यक्ष भीम सिंह,सोबोध कुमार सहित सभी पुलिस बल मौजूद थे। साथ ही प्रखंड की सभी पंचायतों के पंचायत भवन पर संबंधित मुखिया द्वारा झंडा फहराया गया। राजनीतिक दलों के कार्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। राजद कार्यालय में पूर्व विधायक ई. शशिभूषण सिंह ने ध्वजारोहण कर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पूरे दिन क्षेत्र में "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारे गूंजते रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने आम जनता से अपील की कि वे देश की प्रगति में अपना योगदान दें और सामाजिक समरसता बनाए रखें। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और स्कूली बच्चे शामिल हुए।

हरसिद्धि में शान से लहराया तिरंगा, थाना परिसर का समारोह बना आकर्षण का केंद्र

बीएनएम@ हरसिद्धि

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को हरसिद्धि प्रखंड में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। सरकारी, गैर सरकारी एवं शैक्षणिक संस्थानों में धूमधाम से ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रध्वज को सलामी देने के साथ लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश की एकता और अखंडता का संकल्प लिया। प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रखंड प्रमुख चंदा कुमारी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर बीडीओ अजय प्रकाश राय, थानाध्यक्ष सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पशु चिकित्सा केंद्र में डॉ. अभिषेक कुमार ने तिरंगा फहराया। एमआर इंटर कॉलेज में पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा, डिग्री कॉलेज में इंजीनियर राकेश गुप्ता, सोनालाल पन्नालाल गर्ल्स हाई स्कूल में प्रधानाचार्य आलोक कुमार तथा विवेक भारती पब्लिक स्कूल में निदेशक विन्देश्वरी यादव ने ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस का सबसे आकर्षक आयोजन हरसिद्धि थाना परिसर में हुआ। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। पुलिस जवानों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर ने समारोह की गरिमा बढ़ा दी, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक, युवा और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। चंपारण रिजॉर्ट्स एंड बैंक्वेट हॉल में भी इंजीनियर राकेश गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। विभिन्न कार्यक्रमों में भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, रवि विश्वकर्मा, प्रमुख पति संतोष पासवान समेत कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरे प्रखंड में दिनभर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से वातावरण देशभक्ति के रंग में सराबोर रहा।

महावीरी झंडा जुलूस को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर

बीएनएम@ अरेराज

महावीरी झंडा जुलूस को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कानून-व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ रखने और आमजन में सुरक्षा का भाव जगाने के लिए थाना क्षेत्र के प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल द्वारा भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम समर्थ एवं थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। फ्लैग मार्च स्थानीय थाना परिसर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य बाजारों, व्यस्त चौराहों, घनी आबादी वाले मोहल्लों तथा जुलूस के निर्धारित संवेदनशील

मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया और स्थानीय लोगों को निष्पक्ष व सुरक्षित माहौल का भरोसा दिलाया। मार्च के दौरान सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम समर्थ ने पूजा समितियों और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए त्योहार को पारंपरिक गरिमा, शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रशासन जुलूस के शांतिपूर्ण संचालन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन यदि किसी ने शांति भंग करने या माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ विधि सम्मत कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि जुलूस मार्ग पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके साथ ही भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है और सोशल मीडिया की गतिविधियों पर भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए आम जनता से किसी भी भ्रामक खबर पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने का अनुरोध किया।

शान से विदाई

भारत के पदकों में सबसे ज्यादा योगदान एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स का रहा, जिसमें 16 मेडल हासिल हुए। मगर, भारत की शान बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेय बॉक्सरों को है, जिन्होंने सात स्वर्ण सहित 10 पदक जीते। कॉमनवेल्थ गेम्स से भारतीय दल ने शान से विदाई ली है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 11 दिन के इस आयोजन के आरंभिक दिनों में पदक तालिका में पिछड़े रहने के कारण भारत में मायूसी छायी रही, लेकिन अंतिम दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने कहानी पलट दी। आखिरकार 13 स्वर्ण, 17 रजत, और 9 कांस्य पदकों सहित कुल 39 मेडल्स के साथ भारत चौथे नंबर आ पहुंचा। अधिक खुशी की बात यह है कि भारत के पदकों में सबसे ज्यादा योगदान एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स का रहा, जिसमें तीन स्वर्ण सहित 16 मेडल हासिल हुए। मगर, भारत की शान बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेय बॉक्सरों को है, जिन्होंने सात स्वर्ण सहित 10 पदक जीते। इस सिलसिले में इस उल्लेख से नहीं बचा जा सकता कि सात स्वर्ण पदक विजेता बॉक्सरों में से पांच सिर्फ एक शहर यानी हरियाणा के भिवानी से आते हैं। उनमें भी चार महिला बॉक्सर हैं। इस सफलता को बेशक वहां बने खेल ढांचे और भिवानी बॉक्सिंग क्लब के प्रमुख जगदीश सिंह की मेहनत का परिणाम माना जाएगा। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में निशानेबाजी, कुश्ती, टेबल टेनिस और बैडमिंटन जैसे कई ऐसे खेल शामिल नहीं हुए, जिनमें भारत की मजबूत उपस्थिति रहती है। दरअसल, यह आयोजन ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में होना था, जिसने ऐन वक्त पर कदम वापस खींच लिए। तब ग्लासगो में एक तरह से इसके आयोजन की रस्म-अदायगी की गई। इसलिए इस बार के गेम्स को ज्यादा वजन भी नहीं दिया गया है। वैसे भी कॉमनवेल्थ गेम्स ओलिंपिक्स कैलेंडर का हिस्सा नहीं हैं, जिससे उन्हें ओलिंपिक्स या एशियाड जैसा महत्व नहीं दिया जाता। ब्रिटेन का रुतबा घटने के साथ-साथ कॉमनवेल्थ भी हाशिये पर पहुंच गया है। ऐसे में देश और खिलाड़ी इन खेलों को एक तरह से बड़े परिदृश्य के पूर्वाभ्यास के रूप में लेते हैं। इसे ध्यान में रखें, तो अगले 19 सितंबर से जापान के नागोया में होने जा रहे एशियन गेम्स के मद्देनजर ग्लासगो में भारतीय दल के प्रदर्शन को आशाजनक माना जाएगा। एशियाड में अधिक कड़ी प्रतिस्पर्धा में भी क्या देश की आशाओं पर भारतीय खिलाड़ी खरे उतरेंगे, इसे देखने पर सबकी नजरें रहेंगी।

निजी अस्पतालों के आर्थिक शिकंजे पर संसद की 176 वीं रिपोर्ट, इलाज या आर्थिक इम्तिहान ?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में स्वास्थ्य सेवा कासवाल अब केवल डॉक्टर, अस्पताल, दवा और इलाज तक सीमित नहीं रह गया है। यह तेजी से परिवार की आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक न्याय और नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से जुड़ता जा रहा है। किसी परिवार में गंभीर बीमारी आ जाए तो बीमारी से लड़ने के साथ- साथ उसे अस्पताल का बिल,जांचों का खर्च,दवाइयों की कीमत,कमरे का किराया और बीमा के दावों की जटिलताओं से भी लड़ना पड़ता है। इसी व्यापक चिंता को संसद की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट- ऑफॉर्डएबिलिटी एंड एक्सेससिबिलिटी ऑफ़ हेअल्थकेयर फेसिलिटीज इन पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर नेसामने रखा है।यह रिपोर्ट 7 अगस्त 2026 को संसद में पेश की गई और इसमें कुल 368 सिफारिशें की गई हैं। आधिकारिक पीआईबी के अनुसार इनमें निजी अस्पतालों में आवश्यक उपचार, जांच और सामान्य प्रक्रियाओं की लागत को मानकीकृत और सीमित करने की व्यवस्था बनाने से लेकर सस्ती स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के ज़ीएसटी ढांचे की समीक्षा तक कई सारे महत्वपूर्ण सुझाव शामिल हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि, इलाज महंगा होना अब सिर्फ स्वास्थ्य समस्या नहीं, आर्थिक संकट भी है, कल्पना कीजिए कि एक निम्न- मध्यमवर्गीय परिवार का कमाने वाला सदस्य अचानक हृदय रोग, कैंसर,किडनी की बीमारी या किसी गंभीर संक्रमण की चपेट में आ जाता है। परिवार पहले सरकारी अस्पताल में इलाज की संभावना तलाशता है,लेकिन यदि वहां बेड,विशेषज्ञ डॉक्टर, जांच या तत्काल उपचार उपलब्ध नहीं होता तो उसे मजबूरी में निजी अस्पताल का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। यहीं से चिकित्सा खर्च का दूसरा संकट शुरू होता है।अस्पताल में भर्ती होने के बाद कमरे का किराया, डॉक्टर की फीस, जांच,दवाइयां,उपकरण,प्रक्रिया शुल्क और अन्य खर्च मिलकर ऐसा बिल बना सकते हैं जिसे परिवार की वर्षों की बचत भी पूरा न कर पाए। संसदीय समिति ने इसी आर्थिक दबाव को गंभीरता से रेखांकित किया है और निजी अस्पतालों में आवश्यक उपचार तथा जांचों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्था बनाने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में 368 सिफारिशें की गई है,अब असली परीक्षा क्रियान्वयन की है।176वीं रिपोर्ट की सबसे बड़ी विशेषता केवल इसकी 368 सिफारिशें नहीं बल्कि यह है कि संसद की समिति ने स्वास्थ्य व्यवस्था की समस्या को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में एक साथ देखा है।अब असली प्रश्न यह है कि इन सिफारिशों का कितना हिस्सा नीति, कानून और जमीन पर लागू होता है। किसी भी संसदीय समिति की रिपोर्ट तभी जनता के जीवन में परिवर्तन ला सकती है जब सरकार, राज्य सरकारें, नियामक संस्थाएं, बीमा कंपनियां और अस्पताल उसके सुझावों को क्रियान्वयन में बदलें। निजी अस्पतालों में कुछ बातें और देखने को मिलती है कि उनकी निजी फार्मेसी होना, प्रिस्क्रिप्शन में वही दवाइयां लिखना जो बाहर नहीं मिलती उस फार्मेसी में ही मिलती है, ज़ो कंज्यूमर प्रोटक्शन एक्ट 2019 में आता है।मरीज को तुरंत ही आईसीयू या वेंटिलेटर पर लगा देना जैसी अनेक बातें मरीजों द्वारा बताई जाती है। जिस पर नियमावक बनाने की जरूरत है। साथियों, बात अगर हम 176 वीं रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश,निजी अस्पतालों की कीमतों में पारदर्शिता को समझने की करें तो,गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए इस रिपोर्ट का सबसे सीधा अर्थ यह है कि इलाज की कीमत मरीज को पहले से पता होनी चाहिए और समान प्रकार के उपचार के लिए कीमतों में अत्यधिक अंतर नहीं होना चाहिए। समिति ने सभी निजी अस्पतालों में आवश्यक उपचार, डायग्नोस्टिक सेवाओं और सामान्य प्रक्रियाओं की लागत को मानकीकृत करने तथा उन पर सीमा तय करने की व्यवस्था बनाने की बात कही है। यह सुझाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र में मरीज अक्सर ऐसी स्थिति में होता है जहां वह कीमत पर बातचीत नहीं कर सकता। वह डॉक्टर से यह नहीं कह सकता कि यह जांच महंगी है,दूसरी जगह करा लूंगा, क्योंकि गंभीर बीमारी में समय भी महत्वपूर्ण होता है।इसलिए मरीज कोउपभोक्ता की तरह केवल बिल थमाने के बजाय उपचार से पहले अनुमानित खर्च, उपचार के विकल्प और पैकेज की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। यही पारदर्शिता भविष्य में अनावश्यक आर्थिक शोषण को रोकने की दिशा में बड़ा कदम हो सकती है।

साथियों, बात अगर हम 176 वीं रिपोर्ट का एक और पहलू अस्पताल का कमरा इलाज से महंगा न बन जाए इसको समझने की करें तो, समिति की सिफारिशों में अस्पताल के कमरे के किराये और उपचार की लागत से जुड़े मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। कई बार मरीज को लगता है कि उसका मुख्य खर्च ऑपरेशन या इलाज पर होगा, लेकिन अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पता चलता है कि कमरे, नर्सिंग, जांच, दवाइयों और अन्य सेवाओं के अलग-अलग शुल्क ने बिल को कई गुना बढ़ा दिया। संसदीय समिति ने निजी अस्पतालों द्वारा विशेष रूप से महानगरों में अस्पताल में रहने के लिए बड़ी रकम वसूलने की समस्या को रेखांकित किया है।इसलिए जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें मरीज को भर्ती करने से पहले कमरे का किराया, डॉक्टर शुल्क, संभावित जांच, प्रक्रिया शुल्क और अनुमानित कुल खर्च स्पष्ट रूप से बताया जाए। आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़कर उपचार के बीच अचानक नए और बड़े खर्च सामने आने की स्थिति पर भी नियमन होना चाहिए।स्वास्थ्य बीमा है, फिर भी परिवार क्यों परेशान होता है? एक आम मध्यमवर्गीय परिवार यह सोचकर स्वास्थ्य बीमा खरीदता है कि बीमारी आने पर उसका आर्थिक संकट कम हो जाएगा। लेकिन वास्तविकता में कई परिवारों को बीमा होने के बावजूद जेब से बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। कमरे की सीमा, सह-भुगतान, कुछ उपचारों का बाहर होना, ओपीडी खर्च,दवाइयों तथा जांचों की सीमाएं और क्लेम की प्रक्रिया मरीज के लिए परेशानी बन सकती हैं।संसदीय समिति ने कम लागत वाली स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था, विशेषकर उस वर्ग के लिए जो न तो पूरी तरह सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा में आता है और न ही महंगे निजी बीमा को आसानी से वहन कर सकता है, की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसे आम भाषा में कहें तो यह उस बीच के वर्ग के लिए सुरक्षा कवच की जरूरत है जो बीमारी आने पर सबसे ज्यादा आर्थिक असुरक्षा सटीकता से महसूस कर सकता है। साथियों, बात अगर हम 176 वीं रिपोर्ट को और गहराई से समझने की करें तो,बीमा का मतलब सिर्फ कार्ड नहीं, वास्तविक इलाज होना चाहिए कहा गया है,भविष्य की स्वास्थ्य नीति में यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बीमा कार्ड होने का अर्थ केवल कागज पर कवरेज न रह जाए। मरीज को यह पता होना चाहिए कि कौन-सा उपचार कितना कवर होगा, अस्पताल कितना शुल्क ले सकता है,कौन-सी जांच बीमा में शामिल है और किन परिस्थितियों में दावा अस्वीकार हो सकता है। बीमा कंपनियों, अस्पतालों और मरीज के बीच पारदर्शी त्रिकोण बनाना समय की मांग है। समिति ने सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से एक वेल - डिज़ाइनड , वॉल्यून्टेरी एंड कंट्रीब्यूटरी इन्शुरन्स मॉडल पर भी विचार करने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य बीमा को अधिक व्यावहारिक और सटीकता से पहुंच योग्य बनाना है। साथियों, समिति की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी अस्पताल मजबूत होंगे तो निजी अस्पतालों का दबाव भी घटेगा इसको समझने की करें तो,निजी अस्पतालों को नियंत्रित करने की बहस का दूसरा पक्ष सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना है। यदि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त डॉक्टर, नर्स, बेड, आधुनिक उपकरण, जांच सुविधाएं और दवाइयां उपलब्ध हों तो मरीज केवल मजबूरी में निजी अस्पताल नहीं जाएगा।संसदीय रिपोर्ट ने सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और पहुंच को मजबूत करने की आवश्यकता को भी व्यापक रूप से संबोधित किया है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार समिति ने सरकारी अस्पतालों में बेड की कमी, मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों को गंभीर मुद्दा माना है।इसलिए समाधान केवल निजी अस्पतालों पर नियंत्रण नहीं बल्कि सरकारी अस्पतालों को इतना सक्षम बनाना भी है कि गरीब व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए अपनी जमीन, घर या जीवनभर की बचत बेचने की नौबत न आए।

-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

स्वास्थ्य केन्द्रों का निजीकरण यानी दवा के नाम पर जहर

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

खबर है कि मप्र शासन बहुत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को निजी संस्थाओं को सौंपने की कवायद कर रहा है जिसके परिणामस्वरुप पहले से जर्जर स्वास्थ्य सेवाओं का और भी महंगा और दुर्लभ होना तय है। संसद की स्थायी समिति की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्राइवेट अस्पताल में इलाज का औसत खर्च रु 50508 है जबकि शासकीय अस्पताल में यही खर्च मात्र रु 6631 होता है। समिति ने इस बात का भी उल्लेख किया है कि शासकीय अस्पतालों में आधा अधूरा इंफ्रास्ट्रक्चर, बिस्तरों और दवाओं का अभाव, स्टॉफ की कमी आदि ऐसे कारण हैं जिससे आम नागरिक प्राइवेट अस्पतालों के महँगे इलाज का विकल्प चुनने के लिये मजबूर है। खास तौर पर ग्रामीण जनता इससे ज्यादा प्रभावित है। ऐसी स्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निजीकरण वास्तव में ग्रामीण जनता के लिये एक कड़वी दवा के समान होगा क्योंकि निजीकरण के बाद मामूली बीमारियों के लिये भी उन्हें ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ सकता है। हैरानी की बात यह है कि संविधान के अनुसार प्रत्येक नागरिक को शिक्षा और स्वास्थ्य की गारंटी दी गई है लेकिन पिछले कई दशक से दोनों ही क्षेत्रों में सरकार का रवैया बेहद उदासीन रहा है। जाहिर है कि केन्द्र और राज्य सरकारें इन क्षेत्रों की जानबूझकर उपेक्षा करती आ रही हैं क्योंकि दोनों ही क्षेत्र सरकारी खर्च तो बढ़ाते हैं लेकिन इनका तात्कालिक वित्तीय लाभ नहीं होता। यद्यपि किसी भी देश के दूरगामी विकास के लिये स्वास्थ्य एवं शिक्षा ही सबसे जरूरी सीढ़ियाँ हैं लेकिन यह गंभीर तथ्य हमारे स्वार्थी और अदूरदर्शी राजनेताओं की समझ से बाहर है। ज्ञात हो कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्लॉक लेवल पर एक छोटा अस्पताल होता है जिसमें खून, पेशाब आदि की शुरुआती जांचों के अलावा एक्सरे आदि की सुविधा भी होती है। जरूरत पड़ने पर मरीजों को भरती करने के इन्तजाम भी होते हैं इन सेवाओं को जारी रखने के लिये चिकित्सक तथा स्टॉफ भी नियुक्त होता है। वास्तव में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र यानी सीएचसी ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की महत्वपूर्ण इकाई है। जाहिर है सरकार इन सीएचसी को चलाने में नाकाम रही है इसलिये अब सेवाओं को आउटसोर्स करने की कोशिश की जा रही है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो सीएचसी का निजीकरण हो रहा है। स्पष्ट है कि सरकार अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी से बचने का विकल्प तलाश रही है लेकिन इसका दुष्प्रभाव ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर पड़ना निश्चित है। पहली बात तो यह है कि जिन संस्थाओं को सीएचसी का ठेका दिया जा सके, उनकी संख्या बहुत कम है और मध्यप्रदेश में तो शायद मिलना ही मुश्किल हो। बहरहाल जो संस्थाएं तैयार होती हैं उन पर निगरानी रखना लगभग नामुमकिन है। जब हमारे अफसर ग्रामीण क्षेत्रों के झोला छाप डॉक्टरों पर कोई रोक नहीं लगा सके तो सीएचसी में पदस्थ किये जाने वाले चिकित्सक और स्टॉफ के सुशिक्षित और प्रशिक्षित होने की निगरानी क्या कर पायेंगे। फिर सेटिंग के दौर में किस अफसर को पड़ी है कि जाकर जांच करे। दवाओं की सप्लाई भले ही सरकार करे लेकिन वो कहां उपयोग की जाएंगी, कौन जाने! डॉक्टर और स्टॉफ की ड्यूटी सरकार तय करेगी या ठेकेदार! संस्था का काम ठीक है या नहीं ये कैसे तय होगा! और अगर काम ठीक नहीं हुआ तो कितनी बार संस्था बदली जायेगी! और बदली गई तो बीच की अवधि में स्वास्थ्य सेवाओं का क्या होगा! ढेरों सवाल हैं लेकिन सरकार को जनता के सवालों से कोई सरोकार नहीं। उसे तो बस अपनी जिम्मेदारी से बचना है और खानापूरी करना है। असलियत यह है कि स्वास्थ्य नीतियां कागजों पर तो बनाई जाती हैं लेकिन उन पर अमल नहीं होता। ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की कमी स्थायी समस्या है लेकिन इनका समाधान खोजने के व्यावहारिक प्रयास नहीं किये गये। एमबीबीएस के बाद एक साल का अनिवार्य कम्युनिटी एंड इमरजेंसी मेडीसिन कोर्स और छह महीने की ग्रामीण पोस्टिंग करके इसको हल किया जा सकता है। देश में इतने मेडीकल कॉलेज खुल चुके हैं और हर साल लगभग डेढ़ लाख मेडीकल ग्रेजुएट निकल रहे हैं तो इस कार्यक्रम को निरंतरता देने में कोई मुश्किल नहीं होगी। फिर छह माह के लिए ग्रामीण क्षेत्र में जाना युवा डॉक्टरों को इतना मुश्किल भी नहीं लगेगा कि वे जाने से कतराएं। अफसोस यह है कि राजनेता और प्रशासक यह समझने और मानने को तैयार नहीं कि स्वास्थ्य सेवाओं की कानूनन जिम्मेदारी सरकार की है। तरह तरह के असफल प्रयोग होते हैं मगर आला अफसर हैं कि सबक ही नहीं लेते। जितना पैसा सरकार की लोक लुभावन योजनाओं और ऊलजलूल प्रयोगों पर खर्च होता है, उसी पैसे का उचित उपयोग किया जाये तो स्वास्थ्य सेवाओं में धीरे धीरे गुणात्मक सुधार हो सकता है। वरना निजीकरण जैसी दवा के नाम पर जहर देकर सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बिल्कुल चौपट कर देगी।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा, जिससे मन प्रसन्न होगा। आज आर्थिक लाभ पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और आपको मेहनत का फल जरूर मिलेगा। आज आप अपने बच्चों को मनोरंजन के लिए बाहर घूमाने ले जा सकते हैं और उनके साथ समय बिताएंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। आज किसी काम के लिये की गई आपकी मेहनत रंग लायेगी जिससे आपको प्रसन्नता होगी। आज कार्यस्थल पर हर व्यक्ति आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा और आपको काम में सीनियर्स का पूरा-पूरा साथ मिलेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स कल आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आज ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर सहयोगी आपसे कुछ नया सीखेंगे और आपकी तारीफ भी करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज व्यापार में बड़ा धन लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार घरवालों के साथ साझा करेंगे। आज आप ऑफिस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जीवनसाथी का सहयोग ले सकते हैं। आज प्रैक्टिकल सोच और आपके संतुलित रवैये से आपको फायदा होगा तथा मन शांत रहेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके ड्रेसिंग सेंस के बारे में तारीफ होगी, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज समाज में आपके अच्छे कामों की वजह से आपका सम्मान बढ़ेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेगें जिससे उन्नति मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे उस काम की शुरुआत आज से कर सकते हैं। जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज विरोधी आपसे दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे, ये देखकर आपको ख़ुशी होगी और तनाव खत्म होगा।

तुला राशिः आज व्यवसाय में आपको फायदा होगा। आज ऑफिस में किसी जरूरी काम को पूरा करने के लिए किसी सहकर्मी की मदद मिलेगी। आज कोर्ट-कचहरी के मामलों से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य एकदम ठीक रहेगा, लेकिन फिर भी आप खाने-पीने का ध्यान रखें ताकि स्फूर्ति बनी रहे।

वृश्चिक राशिः आज काम पूरा होने से आपको ख़ुशी मिलेगी। आज शाम तक आपको शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जायेगा। आज आसपास के लोग आपके व्यक्तित्व से प्रसन्न होंगे। आज सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत होगी और आज आपको धन लाभ के कई मौके मिलेंगे जिससे लाभ होगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बड़ों की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगा रहेगा और आप परिवार के साथ किसी मंदिर में दर्शन करने जायेंगे। इस राशि के सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है, किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए कॉल आयेगी और खुशी मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप जिस भी काम को पूरा करना चाहेंगे, वो काम पूरा हो जायेगा। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं, जिससे उसे बहुत ख़ुशी मिलेगी। आज आप नए व्यक्तियों के संपर्क में आने की कोशिश करेंगे, इससे आपको फायदा होगा और अवसर मिलेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको काम में पेरेंट्स की हेल्प मिलने से वह जल्दी ही पूरा होगा। आज आप सबके साथ बैठकर खुलकर बात करेंगें, इससे रिश्तों में अपनापन बना रहेगा। आज आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे, जिससे काम में भी मन लगा रहेगा और सकारात्मकता रहेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन रोज की अपेक्षा लाभ देने वाला रहेगा। आज आपकी मुलाकात आपके बचपन के मित्र से होंगी, जिससे बचपन की यादें ताज़ा हो जाएगी। आज आपका पेंडिंग वर्क पूरा हो जायेगा, जिससे आपको सुकून मिलेगा। इस राशि के जो युवा खेल कूद में इंटरेस्ट रखते है, उनका दिन आज अच्छा रहेगा और सफलता मिलेगी।

भारतीय राष्ट्रवाद का उदय व स्वतंत्रता दिवस

संजय गोस्वामी

भारत एक सांस्कृतिक, धार्मिक और अलग अलग भाषाई वाला विविधता वाला देश है। राष्ट्रवाद ही वह डोर है जो लोगों को उनके विभिन्न सांस्कृतिक-जातीय पृष्ठभूमि से संबंधित होने के बावजूद सभी भारतीय नागरिकों को एकता के सूत्र में एक पिरोता है। यह कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी भारतीयों को एकजुट करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है सन 1857 मेँ भारत मेँ अंग्रेजों का शासन हुआ और अंग्रेजों के दमनकारी नीतियों के कारण भारत मेँ राष्ट्रवादी ताकते कमजोर हो गई लेकिन बाद मेँ जब उनके जुल्मो का घोर विरोध होने लगा तब 19वीं शताब्दी में मौलिक तौर पर भारतीय राष्ट्रवाद का उदय विदेशी शासन के विरूद्ध हुआ। अंग्रेजों ने भारत पर अपना आधिपत्य अपने हितों की बढ़ोत्तरी के लिए स्थापित किया था, न कि भारतीयों की उन्नति के लिए। अतएव दोनों पक्षों के बीच संघर्ष अवश्यंभावी ही था। अंग्रेजी शासन भारत के आर्थिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण बन गया था। भारत का हर सामाजिक वर्ग किसी न किसी ढंग से इस हुकूमत के अधीन पीड़ित हो रहा था। किसान भूराजस्व का भागीदार सह नहीं सकते थे और न ही जमींदारों और सूदखोरों के अत्याचार को, जिन्हें अंग्रेजी प्रशासन सुरक्षा प्रदान कर रहा था। भारतीय कारीगर भी प्रसन्न नहीं थे क्योंकि इस नवीन शासन ने जबरदस्ती उनकी औद्योगिक कलाओं का विनाश कर डाला था। औद्योगिक श्रमिक भी असंतुष्ट थे, क्योंकि ब्रिटिश सरकार पूंजीपतियों का ही पक्ष लेती थी। मध्यम वर्ग एवं बुद्धिजीवियों ने भी ब्रिटिश शासन के बुरे परिणामों को तीव्र रूप से महसूस किया।दादा भाई नौरोजी एवं राणाडे जैसे मध्यम वर्गीय बुद्धिजीवियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ब्रिटिश शासन भारतीय आर्थिक विकास के प्रतिकूल है। भारतीय पूंजीपतियों में भी यह विश्वास जगा था कि भविष्य में उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध करना पड़ेगा, वरन उनका स्वतंत्र विकास नहीं हो सकता है। इन तथ्यों के अतिरिक्त अंग्रेजों का घमंडी व्यवहार प्रत्येक स्वाभिमानी भारतीय को जागरूक बना दिया था। अतएव 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में एक शक्तिशाली साम्राज्य विरोधी आंदोलन प्रारंभ हुआ। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, क्योंकि इसमें भारत के भिन्न-भिन्न वर्ग अपने आपसी द्वेष को भूलकर एक हो गए और ब्रिटिश राज्य का विरोध करने लगे। एक प्रकार से देखा जाए तो अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन अनजाने में ही प्रारंभ करा दिया। यद्यपि अंग्रेज रेल डाक एवं समस्त प्रशासन का विकास अपने हित में किए थे। संचार एवं यातायात की इन सुविधाओं से भारतीय एक दूसरे के निकट आ सके और आंदोलन को इससे गति मिली।पश्चिमी विचारधारा एवं शिक्षा के फलस्वरूप अनेक भारतीयों ने राजनीति का आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया और इस योग्य भी हो सके कि ब्रिटिश शासन की शोषण करने वाली प्रकृति को पहचाने। इस शिक्षा के कारण ही भारत में अनेक नेता पैदा हुए, जिन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया। भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में समाचार पत्रों का भी योगदान कम नहीं है, विशेषकर देशभक्त के संदेश को प्रचार करने में। उस समय कुछ प्रमुख राष्ट्रवादी समाचार पत्र 'दि हिन्दु', 'अमृत बाजार पत्रिका', 'दि इंडियन मिरर' इत्यादि थे। इसी प्रकार राष्ट्रीय चेतना राष्ट्रवादी साहित्य से भी उत्तेजित हुई। बंकिम चन्द्र चटर्जी, रविन्द्रनाथ टैगोर, भारतेन्तु हरिशचन्द्र, विष्णु शास्त्री 'चिपलंकार' इत्यादि के साहित्य रचनाओं का राष्ट्रवादी चेतना के विकास में अत्यधिक योगदान है।यद्यपि अंग्रेजों ने यह जताना चाहा था कि भारतीयों में राष्ट्रीय स्वशासन चलाने की योग्यता नहीं है। कुछ भारतीयों (नेताओं) और लेखकों ने यह विश्वास लगाया कि भारतीय परम्परा एवं संस्कृति प्राचीन समय से ही बड़ी विकसित रही है और अंग्रेजों को यहाँ कुछ सिखाने की आवश्यकता नहीं है। उसी समय राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने अशोक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य, अकबर इत्यादि की उपलब्धियों एवं अशोक चन्द्रगुप्त को बेमिसाल बताया। भारतीय प्राचीन विज्ञान, राजनीति दर्शन स्थापत्य कला इत्यादि को भी अद्वितीय बताया गया जिससे भारतीयों में अपनी संस्कृति एवं परम्परा के प्रति गौरव पैदा हुआ। उपर्युक्त कारणों के चलते 1870-80 दशक तक ऐसा प्रतीत होने लगा कि भारतीय राष्ट्रवाद सबल ढंग से प्रारंभ हो चुका है। परन्तु वह लार्ड लिटन का प्रतिक्रियावाद शासन था, जिसके कारण भारतीय राष्ट्रवाद एक संगठित रूप धारण किया। इसके शासन के समय ब्रितानी कपड़ों पर से सभी चुंगियां उठा ली गईं। इससे भारतीय उत्पादकों को बेहद हानि पहुंची और अंग्रेजों के विरूद्ध क्रोध की एक लहर दौड़ गई। लिटन के शासन के समय दूसरा अफगान युद्ध भी अत्यधिक खर्चीला रहा।भारतीयों को बंदूक की लाइसेंस मिलना कठिन बना दिया गया। इससे भारतीय राष्ट्रवादियों ने यह समझा कि अंग्रेज समस्त राष्ट्र को नपुंसक बनाना चाहते हैं। इसी प्रकार जब वरनाकुलर प्रेस ऐक्ट द्वारा देश भक्तों की आवाज मौन करने का प्रयत्न किया गया तो इससे साम्राज्य विरोधी भावना और भी तीव्र हुई।सुरेन्द्रनाथ बनर्जी तथा लाला लाजपत राय ने मैजिनी, गैरीबाल्डी और उनके द्वारा आरम्भ किए गये. इस यूरोपीय राष्ट्रवाद ने उभरते हुए भारतीय राष्ट्रवाद को बहुत हद तक प्रभावित किया 1877 की दिल्ली दरबार की फिजूलखर्ची से भारतीय अत्यधिक प्रभावित हुए। क्योंकि यह फिजूलखर्ची उस समय की गई, जब भारत में एक भीषण अकाल पड़ा था और लाखों लोगों की जानें जा रही थीं। लगभग इसी समय आई.सी.एस. की परीक्षा भी भारतीयों के लिए कठिन बना दी गई, जब परीक्षा के लिए उम्र सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई।कहा जाता है कि यदि लिटन ने साम्राज्यवाद विरोधी चेतना को तीव्र बनाया तो इलवर्ट बिल मतभेद ने भारतीय राष्ट्रवाद को संगठित कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को जन्म दिया। कानून संबंधित यह विवाद लिटन के बाद वायसराय लार्ड रिपन के समय आरंभ हुआ। लार्ड रिपन ने भारतीय जिला पदाधिकारी एवं सक्षम न्यायाधीशों की शक्ति को बढ़ाना चाहा। उन्हें यूरोपीयों के फौजदारी मुकदमों की सुनवाई का भी अधिकार दिया। परन्तु इस प्रस्ताव का यूरोपीय समुदाय ने शक्तिशाली विरोध किया। अंततः प्रशासन को इनकी बात माननी पड़ी और कानून प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। इस प्रशासन को ला मेम्बर इलवर्ट ने प्रस्तुत किया था। इस विवाद से भारतीयों को यह स्पष्ट हो गया कि अंग्रेज उनसे घृणा करते हैं और हेय दृष्टि से देखते हैं।परन्तु यूरोपीयों के इलवर्ट विरोधी आंदोलन को देखकर भारतीयों ने भी यह प्रेरणा पाई कि अगर उन्हें राष्ट्रीय आंदोलन में सफल होना है तो उन्हें संगठित होकर बिना हिम्मत हारे एक लम्बा संघर्ष चलाना पड़ेगा।उपर्युक्त कारणों से 19वीं शताब्दी के अंत तक भारतीय राष्ट्रवाद की उत्पत्ति तो हो ही चुकी थी। परन्तु इसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना में पाई जाती है जो 1885 में हुई। इसके पूर्व भी क्षेत्रीय एवं वर्ग स्तर पर साम्राज्यवाद विरोधी संगठन बनाए जा रहे थे। परन्तु राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारतीयों में राष्ट्रीय राजनीतिक चेतना का विकास बहुत तीव्र गति से हुआ फलस्वरूप भारत में एक संगठित राष्ट्रीय आन्दोलन का सूत्रपात हुआ भारतीय राष्ट्रवाद कुछ सीमा तक उपनिवेशवादी नीतियों तथा उन नीतियों से उत्पन्न भारतीय प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप ही उभरा था पाश्चात्य शिक्षा का विस्तार मध्यवर्ग का उदय रेलवे का विस्तार तथा सामाजिक-धार्मिक आन्दोलनों ने राष्ट्रवाद की भावना के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई भविष्य में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष भिन्न-भिन्न कारणों से अपने भिन्न-भिन्न चरणों में और भी तीव्र होता गया। यद्यपि, 19वीं शताब्दी का भारत भाषा, धर्म, प्रदेश आदि के आधार पर विभाजित था तथा ब्रिटिश शासकों ने इस आधिपत्य स्थापित करने के लिए इस फूट का भरपूर लाभ भी उठाया, बल्कि इस विविधता में सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक एकता भी अन्तर्निहित थी जिसने राष्ट्रीय आन्दोलन के आरम्भ, विकास एवं सफलता की ओर अग्रसर होने में सहायता प्रदान की. विविधता के मूल में अन्तर्निहित यह राष्ट्रीय चेतना ही थी जिसने राष्ट्रवाद को प्रेरणा दी तथा यह चेतना विशिष्ट वर्ग की अपनी बौद्धिक सीमा को लांघते हुए सुदूर क्षेत्रों तक जा फैली. हालाँकि यह सच है कि अंग्रेजों द्वारा स्थापित प्रशासनिक एकता तथा आधुनिक विचारों के प्रचार-प्रसार ने भी एक सीमा तक राष्ट्रवाद को प्रोत्साहित किया, परन्तु यह भी सच है कि ब्रिटिश राज्य की स्थापना राष्ट्रवाद के बीजारोपण के लिए नहीं बल्कि औपनिवेशिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए की गई थी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हॉकी विश्व कप : इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले को तैयार भारत, पूल डी में शीर्ष स्थान पर नजर

एजेंसी, एम्स्टलवीन (नीदरलैंड्स)

वेल्स के खिलाफ शानदार जीत के साथ अभियान का आगाज करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार को एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 के अपने दूसरे पूल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी। वैगनर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह मुकाबला पूल डी की शीर्ष टीम के निर्धारण में बेहद अहम साबित हो सकता है। भारत ने अपने पहले मुकाबले में वेल्स को 3-1 से हराया था, जबकि इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 4-1 से मात देकर अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। ऐसे में दोनों टीमें जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। वेल्स के खिलाफ भारत की जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जबकि संजय ने भी पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम का खाता खोला। भारत के तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। हालांकि, टीम ने ओपन प्ले में कई मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की नजर इस कमी को दूर करने पर होगी। भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबला हालिया वर्षों में काफी रोमांचक रहा है। पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में भारत ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए इंग्लैंड को हराया था। मुकाबले के 17वें मिनट में अमित रोहिदास को रेड कार्ड मिलने के बावजूद भारतीय टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया और अंततः कांस्य पदक जीतने में सफल रही। हाल में लंदन में एफआईएच प्रो लीग के दौरान भी दोनों टीमें दो बार आमने-सामने हुईं और दोनों मुकाबलों का फैसला निर्धारित समय में नहीं हो सका। शूटआउट में दोनों टीमों ने एक-एक जीत हासिल की। भारतीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "जब दो बराबरी की टीमें आमने-सामने होती हैं तो मैदान पर मुकाबला गर्म हो सकता है। लेकिन हमारे बीच कोई दुश्मनी नहीं है। इंग्लैंड की टीम में हमारे कई खिलाड़ी दोस्त हैं, चाहे पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में जो कुछ भी हुआ हो। बड़े टूर्नामेंटों में हमने हमेशा उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम उन्हें हल्के में ले सकते हैं। उस दिन आपको अपने प्रतिद्वंद्वी से बेहतर प्रदर्शन करना होगा।" हाल के मुकाबलों के आंकड़ों में भारत को मामूली बढ़त हासिल है। दोनों टीमों के बीच पिछले कुछ वर्षों में भारत ने 10 मुकाबले जीते हैं, जबकि इंग्लैंड ने नौ जीत दर्ज की हैं और पांच मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "जब से हमने प्रो लीग खेलना शुरू किया है, मुकाबला काफी बराबरी का रहा है।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में बांग्लादेश चौथे स्थान पर, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर कायम

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में नौ विकेट की ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में अपना चौथा स्थान मजबूत कर लिया है। बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया की धरती पर द्विपक्षीय टेस्ट मुकाबला जीता है। इस जीत में तंजीद हसन के शानदार शतक के अलावा हसन महमूद और मेहदी हसन मिराज के पांच-पांच विकेट ने अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ नजमुल हुसैन शांतो की अगुवाई वाली बांग्लादेशी टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। डार्विन टेस्ट जीतने के बाद बांग्लादेश का अंक प्रतिशत (पीसीटी) बढ़कर 66.67 हो गया है। टीम ने पांच टेस्ट में तीन जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 40 अंक हासिल किए हैं। हालांकि, वह तालिका में चौथे स्थान पर ही है। ऑस्ट्रेलिया को हार के बावजूद 77.78 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कोई नुकसान नहीं हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने नौ टेस्ट में सात जीत और दो हार के साथ 84 अंक हासिल किए हैं। दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। उसने चार टेस्ट में तीन जीत और एक हार दर्ज की है। न्यूजीलैंड 72.22 प्रतिशत अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड ने छह टेस्ट में चार जीत, एक हार और एक ड्रॉ से 52 अंक हासिल किए हैं। भारत नौ टेस्ट में चार जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक लेकर 48.15 प्रतिशत अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके बाद श्रीलंका 41.67 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है।

इंग्लैंड 13 टेस्ट में चार जीत, आठ हार और एक ड्रॉ के साथ 24.36 प्रतिशत अंक लेकर सातवें स्थान पर है। उसके आठ अंकों की कटौती हुई है। पाकिस्तान 22.22 प्रतिशत के साथ आठवें और वेस्टइंडीज 20.83 प्रतिशत के साथ नौवें स्थान पर है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल में दिखा देशभक्ति का जोश, हजारों लोगों ने लिया नशामुक्त भारत का संकल्प

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के जश्न के बीच रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फिटनेस और देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 86वें संस्करण में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों, युवा खिलाड़ियों, फिटनेस एंबेसडरों और फिटनेस प्रेमियों समेत हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने साइकिलिंग और दौड़ के साथ योग, जुंबा, फिटनेस गतिविधियों और देशभक्ति गीतों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा नशामुक्त भारत के लिए सामूहिक संकल्प लिया। विशेष आयोजन में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम राइफल्स के जवान भी शामिल हुए। प्रतिभागियों ने दो किलोमीटर की वार्म-अप दौड़ और पांच किलोमीटर की साइकिलिंग में हिस्सा लिया। विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा रहे युशा नफीस ने कहा, "स्वतंत्रता दिवस के समारोह के साथ इस तरह के कार्यक्रमों को जोड़ने से सभी में देशभक्ति की भावना जगाने में बहुत मदद मिलती है। चूंकि कल स्वतंत्रता दिवस था और आम जनता में काफी उत्साह है, इसलिए माहौल बहुत अच्छा है। खासकर सभी भारतीयों के लिए यह बहुत अच्छा महसूस होता है, क्योंकि यह अभियान 2024 में शुरू हुआ था और अलग-अलग जिलों से लगभग 40 लाख भारतीय इसमें आकर हिस्सा ले चुके हैं।" 2021 में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान शिवानी पवार ने फिट इंडिया अभियान को युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, "फिटनेस युवाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि जब तक हमारा स्वास्थ्य अच्छा नहीं होगा, हम किसी भी क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकते। इसलिए युवाओं और आने वाली पीढ़ी के लिए यह सबसे जरूरी है कि हम फिटनेस को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करें।" इस अवसर पर पूनम बिष्ट, शशि कला और लालहुमहुमी को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। 2025 विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स में पूनम बिष्ट ने स्वर्ण और शशि कला ने रजत पदक जीता था, जबकि जुडोका लालहुमहुमी ने भी स्वर्ण पदक हासिल किया था।

महिला एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए पाकिस्तान की कमान फातिमा सना को

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को आगामी महिला एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए 15 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। तेज गेंदबाज फातिमा सना दोनों टूर्नामेंटों में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। द हंड्रेड में हिस्सा लेने के कारण वह हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में नहीं खेल सकी थीं। महिला एशिया कप का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होगा। पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत, थाईलैंड और हांगकांग-चीन के साथ रखा गया है। पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा, जबकि पांच सितंबर को उसका मुकाबला भारत से होगा। सात सितंबर को पाकिस्तान हांगकांग-चीन से भिड़ेगा। सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर को, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। जापान में होने वाले एशियाई खेलों में भी फातिमा सना पाकिस्तान की कप्तान होंगी। क्रिकेट प्रतियोगिता 17 सितंबर से आइची के कोरोगी एथलेटिक पार्क में शुरू होगी। पाकिस्तान 17 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड का सामना करेगा। सेमीफाइनल 20 सितंबर को तथा कांस्य और स्वर्ण पदक के मुकाबले 22 सितंबर को होंगे। पाकिस्तान की महिला टीम ने इससे पहले 2010 और 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि 2022 के संस्करण में टीम चौथे स्थान पर रही थी।

बिजनेस

अब छोटे करदाता 31 दिसंबर तक कर सकेंगे अघोषित विदेशी संपत्ति की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति प्रकटीकरण योजना, 2026 (फास्ट-डीएस) लॉन्च किया है। ये योजना 16 अगस्त से शुरू होकर 31 दिसंबर, 2026 तक खुली है, जिसके तहत एक करोड़ रुपये तक की अघोषित विदेशी आय या 5 करोड़ रुपये तक की संपत्ति का खुलासा किया जा सकता है।

आयकर विभाग ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति की स्वैच्छिक घोषणा योजना (फास्ट-डीएस) के नियम, 2026' को अधिसूचित कर दिया है। इसके तहत घोषणाएं 31 दिसंबर, 2026 तक दाखिल की जा सकती हैं।

इस योजना के तहत करदाताओं को 30 फीसदी कर के साथ उतनी ही राशि का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने योजना के नियम अधिसूचित करते हुए बताया कि इसके तहत पात्र करदाता ऐसी अघोषित विदेशी संपत्तियों, अघोषित विदेशी आय या ऐसी विदेशी संपत्तियों की घोषणा कर सकते हैं, जिन्हें संबंधित विवरण में घोषित नहीं किया गया है। इसके लिए निर्धारित कर या शुल्क का भुगतान करना होगा। छोट करदाताओं में (छात्रों, युवा पेशेवरों, तकनीकी कर्मचारियों और एनआरआई) शामिल हैं। सीबीडीटी के मुताबिक यह योजना 16 अगस्त से प्रभावी होगी और इसके तहत ऑनलाइन घोषणाएं 31 दिसंबर, 2026 तक दाखिल की जा सकेंगी। घोषित की जाने वाली संपत्तियों का उचित बाजार मूल्य 31 मार्च, 2026 की स्थिति के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। इस योजना में 16 अगस्त से तय तारीख 31 दिसंबर, 2026 तक ऑनलाइन (Form 1 के जरिए) अपनी संपत्ति का खुलासा कर सकते हैं। योजना के तहत घोषणा दाखिल करने के लिए दो व्यापक श्रेणियां तय की गई हैं। पहली श्रेणी में भारत के बाहर स्थित ऐसी अघोषित संपत्ति या ऐसी अघोषित विदेशी आय शामिल है, जिस पर कर नहीं चुकाया गया है। इस मामले में अघोषित संपत्ति का कुल मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। दूसरी श्रेणी में भारत के बाहर स्थित ऐसी संपत्ति शामिल हैं, जिस पर पहले कर दिया जा चुका है या जिसे करदाता के प्रवासी (एनआरआई) रहने के दौरान हासिल किया गया था लेकिन आयकर रिटर्न के संबंधित कॉलम में घोषित नहीं किया गया था। ऐसी घोषणाओं के लिए पांच करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा तय की गई है और इस पर एक लाख रुपये का शुल्क लगेगा। उल्लेखनीय है कि छोटे करदाताओं, जैसे छात्रों, युवा पेशेवरों, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों और विदेश में स्थानांतरित हुए प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशी संपत्ति की स्वैच्छिक घोषणा की यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में घोषित की गई थी।

घरेलू सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की घटी चमक

एक सप्ताह में 3,490 रुपये तक उछल गया सोना

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के अगले दिन यानी आज देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना के भाव में तेजी आई है। चांदी आज सस्ती हो गई है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,060 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चेन्नई में सोने की कीमत 1,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। दूसरी ओर, चांदी आज 4,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 3,490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 3,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। कीमत में आई तेजी के कारण आज की गिरावट के बावजूद चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.14 अरब डॉलर बढ़कर 707 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 7वें हफ्ते इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 14.14 अरब डॉलर बढ़कर 707 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह इस साल 13 मार्च के बाद विदेशी मुद्रा भंडार को उच्चतम स्तर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सात अगस्त को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.14 अरब डॉलर उछलकर 707 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 10.512 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.87 अरब डॉलर रहा था। इसके साथ ही देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अप्रैल के बाद पहली बार 700 अरब डॉलर के पार पहुंचा है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक 7 अगस्त को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे अहम घटक माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी 9.95 अरब डॉलर बढ़कर 574.62 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.99 अरब डॉलर बढ़कर 108.74 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 7.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.74 अरब डॉलर पर पहुंच गए। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में देश का आरक्षित भंडार भी 11.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.89 अरब डॉलर हो गया है। इस साल 27 फरवरी को समाप्त हुए हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 728.49 अरब डॉलर के अबतक के रिकॉर्ड सबसे ऊंचतम स्तर पर पहुंच गया था।

रिलायंस और रोल्स रॉयस ने भारत में स्वदेशी एएमसीए फाइटर जेट इंजन बनाने के लिए मिलाया हाथ

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत में ही अब पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) का इंजन बनेगा। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रॉल्स-रॉयस ने हाथ मिलाते हुए साझेदारी की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और रोल्स-रॉयस ने शुक्रवार को बताया कि अत्याधुनिक मध्यम लड़ाकू विमान कार्यक्रम के लिए संयुक्त रूप से एक लड़ाकू इंजन विकसित करने का उनका इरादा है। यह भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनी और ब्रिटेन की प्रसिद्ध विमान इंजन निर्माता कंपनी द्वारा देश में स्वदेशी लड़ाकू-जेट प्रणोदन क्षमता विकसित करने का एक प्रयास है। दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे भारत में एक समर्पित एयरोस्पेस गैस टर्बाइन कॉम्प्लेक्स बनाने की संभावना तलाशेंगी। इस साझेदारी के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज और रोल्स-रॉयस एक समर्पित एयरोस्पेस गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स बनाने की संभावनाओं पर काम करेंगे, जिसमें लड़ाकू इंजनों के डिजाइन, विकास, विनिर्माण, परीक्षण, उत्पादन और आजीवन सहयोग शामिल है। बयान के मुताबिक इस साझेदारी के तहत, रिलायंस और रोल्स-रॉयस एक समर्पित एयरोस्पेस गैस टरबाइन कॉम्प्लेक्स बनाने की संभावनाओं पर काम करेंगे, जो भारत में पावर और प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी के लिए एक सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) होगा। यह साझेदारी भारत में एएमसीए इंजन के संयुक्त विकास के लिए एक बेहतरीन प्रस्ताव पेश करेगी, जिसमें दुनिया की अग्रणी टेक्नोलॉजी और औद्योगिक निष्पादन क्षमताएं एक साथ आएंगी।

केंद्र ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ निर्यात पर विंडफॉल टैक्स घटाया, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल) टैक्स में कटौती की है। नई दरें 14 अगस्त से प्रभावी हो गई हैं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर टैक्स को पूरी तरह खत्म यानी 'जीरो' कर दिया गया है, जबकि डीजल और जेट फ्यूल पर शुल्क में राहत दी गई है। अधिसूचना के अनुसार डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क की दर अब 25.5 रुपये प्रति लीटर से घटकर 24 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, विमान ईंधन के निर्यात पर एसएईडी को घटाकर अब पहले के 22 रुपये प्रति लीटर के मुकाबले 19.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। साथ ही पेट्रोल निर्यात पर शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इससे पहले यह 3.5 रुपये प्रति लीटर था। वित्त मंत्रालय ने जारी अधिसूचना में कहा कि शुल्क में संशोधन 14 अगस्त से प्रभावी होंगे। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संकट के बीच ईंधन की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 27 मार्च को डीजल और एटीएफ पर निर्यात शुल्क लगाया था। पेट्रोल के निर्यात पर भी 16 मई से यह शुल्क लगाया गया था। सरकार की ओर से हर पखवाड़े इसकी समीक्षा की जाती है।

'स्पाइडर-मैन' की रफ्तार धीमी

21वें दिन 'जना नायकन' ने पार किया 300 करोड़ का वर्ल्डवाइड आंकड़ा

डेडेस्टिन डेनियल क्रेटन के निर्देशन और टॉम हॉलैंड के अभिनय से सजी फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने सिनेमाघरों में रिलीज के 14 दिन पूरे कर लिए हैं। भारत में 60 करोड़ रुपये से अधिक की शानदार शुरुआत करने वाली यह फिल्म लगातार बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, 14वें दिन फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट दर्ज की गई। फिल्म ने 14वें दिन भारत में 6.45 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। फिल्म की अब तक की कमाई को देखते हुए यह उसका सबसे कम दैनिक कारोबार है। कारोबार के लिहाज से यह आंकड़ा बहुत खराब नहीं है, लेकिन पिछले दिनों की तुलना में इसमें स्पष्ट गिरावट दिखाई दी है। सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार, 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने रिलीज के 13वें दिन भारत में 8.50 करोड़ रुपये और 12वें दिन 7.60 करोड़ रुपये कमाए थे। इसके मुकाबले 14वें दिन फिल्म का कारोबार घटकर 6.45 करोड़ रुपये रह गया। फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 438 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसका सकल कारोबार 523.64 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। लगातार दूसरे सप्ताह में भी फिल्म का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है और आने वाले दिनों में इसके कारोबार में और इजाफे की उम्मीद की जा रही है। वहीं, अमित रॉय के निर्देशन में बनी पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म 'ओह माय डॉग बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। रिलीज के पहले सप्ताह में फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। फिल्म ने छठे दिन महज 20 लाख रुपये की कमाई की। इससे पहले पांचवें दिन भी फिल्म ने 25 लाख रुपये और चौथे दिन 25 लाख रुपये का कारोबार किया था। इस तरह फिल्म की दैनिक कमाई लगातार कमजोर होती जा रही है।

'ओह माय डॉग पहले 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, निर्माताओं ने 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे से सीधे टकराव से बचने के लिए इसकी रिलीज तारीख बदलकर 7 अगस्त कर दी थी। इसके बावजूद फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है।

थलपति विजय की फिल्म 'जना नायकन ने रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 1,989 प्रदर्शनों से 65 लाख रुपये की शुद्ध कमाई की। इसके साथ भारत में फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 194.35 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का भारत में कुल सकल कारोबार 226.37 करोड़ रुपये है। विदेशों में फिल्म ने अब तक 93.20 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। इस तरह फिल्म का दुनिया भर में कुल सकल कारोबार 319.57 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

अजय देवगन की फिल्म 'धमाल 4 भी अब अपने प्रदर्शन के अंतिम दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। फिल्म ने रिलीज के 34वें दिन 1,683 प्रदर्शनों से 35 लाख रुपये की शुद्ध कमाई की। इसके साथ भारत में फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 167.05 करोड़ रुपये, जबकि सकल कारोबार 198.37 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में फिल्म ने अब तक 30.85 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। इस तरह 'धमाल 4 का दुनिया भर में कुल सकल कारोबार 229.22 करोड़ रुपये हो गया है।

'प्लेग्राउंड 5' में तेजस्वी प्रकाश का बड़ा बयान: तकनीक बेहतर टूल हो सकती है, इंसानी हुनर का विकल्प नहीं

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो प्लेग्राउंड के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है। हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विज़ुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है। इसमें यंग क्रिएटर्स, गेमर्स और इंटरनेट की मशहूर हस्तियां एक साथ आती हैं। इसमें अलग-अलग चैलेंज में हिस्सा लिया जाता है और साथ ही दोस्ती, दुश्मनी और टीम वर्क को भी मैनेज किया जाता है। यह शो प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा रहा है।

एआई कभी नहीं ले सकता इंसानी कला की जगह: तेजस्वी प्रकाश

रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' (सीजन 5) में मेंटोर की भूमिका निभा रहीं लोकप्रिय अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने तकनीक और आर्ट के रिश्ते पर बेबाक राय रखी है। शो के प्रमोशन के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) कला को नुकसान पहुंचा रहा है, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि तकनीक कभी भी असली इंसानी हुनर और भावनाओं का स्थान नहीं ले सकती। तेजस्वी ने कहा, "हमने अपने शो में एआई कॉन्सेप्ट जरूर जोड़ा है, लेकिन तकनीक कभी भी इंसानी मेंटोर की जगह नहीं ले सकती। हालांकि, विजुअल एंटरटेनमेंट को और बेहतर बनाने में एआई एक बेहतरीन टूल साबित हो सकता है।" बता दें कि 'प्लेग्राउंड' भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित हो रहा है। इस शो में तेजस्वी प्रकाश के साथ एल्विश यादव और अरुष भोला भी मेंटोर के रूप में अपनी-अपनी टीमों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वहीं कैरीमिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इंसान जैसे दिग्गज क्रिएटर्स भी शो का मुख्य हिस्सा हैं। यह शो ई-स्पोर्ट्स, मनोरंजन और इन्फ्लुएंसर कल्चर का अनोखा संगम पेश करता है।

बॉक्स ऑफिस पर तमिल फिल्म डीसी का कमाल

रिलीज के 6 दिन में कमा डाला 50 प्रतिशत प्रॉफिट

लोलोकेश कनगराज की फिल्म डीसी बॉक्स ऑफिस पर काफी शानदार परफॉर्म कर रही है. पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से फिल्म को खूब दर्शक मिल रहे हैं. इसी के साथ सिनेमाघरों में रिलीज का एक हफ्ता पूरा होने से पहले ही इसने अपनी लागत से ज्यादा कमाई कर डाली है. चलिए यहां जानते हैं डीसी ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को कितना कलेक्शन किया है और इसने अब तक कितना मुनाफा कमा लिया है?

लोकेश कनगराज ने डीसी से एक्टिंग में डेब्यू किया है. इस फिल्म में वामिका गब्बी ने भी अहम रोल प्ले किया है. दिलचस्प बात ये है कि 'स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे की सुनामी के आगे भी डीसी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म कर रही है. यहां तक कि इस तमिल फिल्म ने अपनी रिलीज के महज 4 दिनों में ही भारत में सिनेमाघरों से अपनी पूरी लागत वसूल ली थी और अब ये मुनाफा बटोर रही है. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने 4.40 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद इसने वीकेंड पर जबरदस्त तेजी दिखाई और दूसरे दिन यानी शनिवार को जहां 7 करोड़ कमाए तो वहीं तीसरे दिन यानी संडे को 9.55 करोड़ का कलेक्शन किया. हालांकि चौथे दिन इसकी कमाई में मंदी देखी गई और इसने 6 करोड़ कमाए. वहीं 5वें दिन का कलेक्श 5.55 करोड़ रुपये रहा. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक डीसी ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को 5 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 6 दिनों की कुल नेट कमाई अब 37.50 करोड़ रुपये हो गई है. जबकि इसका ग्रॉस कलेक्शन 43.12 करोड़ रुपये हुआ है. वहीं ओवरसीज में इस फिल्म ने 6 दिनों में 15.50 करोड़ कमा लिए हैं. इसी के साथ इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 58.62 करोड़ रुपये हो गया है.

डीसी का बजट 25 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. इस लागत के मुकाबले फिल्म ने रिलीज के 6 दिनों में भारत में 37.50 करोड़ की नेट कमाई की है. यानी इसने 12.5 करोड़ का रिटर्न हासिल कर लिया है. यानी इसने 50त्न का प्रॉफिट कमा लिया है. अब ये हिट का टैग हासिल करने से बस कुछ ही कदम दूर है. इसके लिए इसे अपनी लागत का दुगना कमाना होगा. उम्मीद है कि दूसरे वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी और ये हिट का टैग हासिल कर लेगी. कैप्टन मिलर फेम अरुण मथेश्वरन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजना एके और वामिका गब्बी भी अहम भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के मशहूर उपन्यास देवदास पर आधारित है. लोकेश ने देवदास का किरदार निभाया है, जबकि वामिका ने चंद्र और संजना ने पार्वती की भूमिका निभाई है.

पृथ्वीराज सुकुमारन ओणम पर लूटने आएंगे बॉक्स ऑफिस, फिल्म खलीफा से मचाएंगे धमाल

20 अगस्त को रिलीज: ओणम के त्योहार का मिलेगा बड़ा फायदा

फिल्म निर्माताओं ने रणनीतिक रूप से 'खलीफा भाग-1' को 20 अगस्त, 2026 को वैश्विक स्तर पर रिलीज करने का फैसला किया है। दक्षिण भारत, विशेष रूप से केरल में यह समय 'ओणम' (Onam) के पावन और भव्य त्योहार का होता है। फेस्टिवल सीजन होने के कारण इस दौरान सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ती है। लंबी छुट्टियों के इस दौर में रिलीज होने से फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर एक विशाल ओपनिंग मिलने की पूरी संभावना है। कुल मिलाकर, अपनी दमदार स्टार कास्ट, बेहतरीन निर्देशक, अंतरराष्ट्रीय क्राइम-थ्रिलर प्लॉट और ओणम जैसे बड़े त्योहारी अवसर के साथ 'खलीफा' साल 2026 की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में मजबूती से शामिल हो चुकी है। अब देखना यह होगा कि आमिर अली के रूप में पृथ्वीराज सुकुमारन बॉक्स ऑफिस पर क्या नया इतिहास रचते हैं।

मलयालम सिनेमा के बहुमुखी प्रतिभाशाली सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपने अभिनय का लोहा मनवाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन-रिवेंज थ्रिलर फिल्म 'खलीफा' (Khalifa) लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। अब फिल्म और अभिनेता के प्रशंसकों के लिए एक बेहद शानदार खबर सामने आई है। पृथ्वीराज ने खुद सोशल मीडिया के जरिए इस बात का आधिकारिक ऐलान कर दिया है कि फिल्म 'खलीफा' की शूटिंग सफलतापूर्वक और पूरी तरह से संपन्न हो चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की दुनिया भर में रिलीज की तारीख की भी घोषणा कर दी है, जिसने सिनेमाप्रेमियों के उत्साह को दोगुना कर दिया है। फिल्म 'खलीफा' सिनेमाई दृष्टिकोण से इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है, क्योंकि इसके माध्यम से साउथ इंडस्ट्री की एक मशहूर अभिनेता-निर्देशक जोड़ी की वापसी हो रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के जरिए पृथ्वीराज सुकुमारन और जाने-माने निर्देशक वैशाख पूरे 15 साल के लंबे अंतराल के बाद एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने वर्ष 2010 में आई ब्लॉकबस्टर मलयालम फिल्म 'पोक्किरी राजा' में एक साथ काम किया था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए कीर्तिमान रचे थे। 15 साल बाद दोनों का यह पुनर्मिलन दर्शकों के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह जोड़ी एक बार फिर सिनेमाघरों में वही पुराना जादू बिखेरने में कामयाब होगी।

पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) और इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के पूरे क्रू मेंबर्स, तकनीकी टीम और निर्देशक वैशाख के साथ शूटिंग सेट की एक बेहद खूबसूरत और खास तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पूरी टीम की मेहनत और शूटिंग खत्म होने की खुशी साफ तौर पर देखी जा सकती है। तस्वीर साझा करते हुए अभिनेता ने एक काफी दिलचस्प और सस्पेंस से भरा कैप्शन लिखा, "खलीफा की शूटिंग पूरी हुई! अब आमिर अली 'राजीव' की जगह लेंगे... तस्कर आपसे एक आम आदमी के बाद मिलेंगे! खलीफा भाग-1 20 अगस्त, 2026 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में!" पृथ्वीराज के इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है।

बचपन में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था हंसिका ने

9 अगस्त 1991 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने बहुत कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था। हंसिका मोटवानी का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है, जिसमें बचपन की शोहरत, फिल्मी दुनिया में तेजी से तरक्की और निजी जीवन में कई विवादों का सामना करना शामिल है। मशहूर शो शाका लाका बूम बूम में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसे लोकप्रिय धारावाहिक में भी काम किया। उनकी अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई, जहां ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म कोई मिल गया में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म देसमुदुरु से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग

को काफी पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा, जहां एंगेयुम काधल और ओरु कल ओरु कन्नाड़ी जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच एक मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए। हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे, जिन्हें हंसिका ने खारिज किया था। इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से राजस्थान के जयपुर में शाही अंदाज में शादी की, जिसकी तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर हंसिका लव शादी ड्रामा नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है।

साइकिलिंग को बनाएं अपनी दिनचर्या का हिस्सा, मिलेंगे ये फायदे

साइकिलिंग न केवल एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, बल्कि यह हमारे जीवन को कई तरीकों से बेहतर बना सकती है। जब हम साइकिल चलाते हैं तो हम अपने आसपास के माहौल को और करीब से महसूस करते हैं। इससे हमें ताजगी का एहसास होता है। इसके अलावा साइकिलिंग से हम नई जगहों का पता लगा सकते हैं और नए लोगों से मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि साइकिलिंग से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं। साइकिलिंग करने से हमें तनाव से राहत मिल सकती है। जब हम साइकिल पर होते हैं तो हमारे दिमाग को एक नई ऊर्जा मिलती है।

यह हमें ताजगी का एहसास कराता है और मानसिक थकान को दूर करता है। सड़क पर साइकिल चलाते समय हम अपने आसपास की सुंदरता को महसूस कर सकते हैं, जो हमारे मन को शांति देती है। इसके अलावा यह हमें नई जगहों का पता लगाने और नए अनुभव प्राप्त करने का मौका भी देती है। सेहत के लिए है फायदेमंद साइकिलिंग हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। यह हमारे दिल को मजबूत बनाती है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाती है और शरीर में खून का संचार बेहतर करती है। नियमित साइकिलिंग करने से हमारे शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हम अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इसके अलावा यह हमारे वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करती है और हमें फिट रखने में सहायक है। साइकिलिंग पर्यावरण के लिए भी बहुत अच्छी होती है। जब हम साइकिल चलाते हैं तो हम वाहनों द्वारा होने वाले प्रदूषण को कम करते हैं। इससे हवा साफ रहती है और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा साइकिल चलाने से हमें प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का मौका मिलता है, जो हमारे मन को शांति देती है। यह न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे समाज और पर्यावरण के लिए एक अच्छा विकल्प है। साइकिलिंग आर्थिक रूप से भी फायदेमंद हो सकती है। जब हम साइकिल पर चलते हैं तो हमें पेट्रोल या डीजल पर खर्च नहीं करना पड़ता। इससे हमारे खर्चे कम होते हैं और हमारी बचत बढ़ती है। इसके अलावा साइकिल चलाने से हमें पार्किंग शुल्क भी नहीं देना पड़ता, जिससे हमारी और भी बचत होती है। यह हमारे लिए एक आर्थिक और पर्यावरण अनुकूल विकल्प है, जो हमारे बजट को भी संतुलित रखता है। साइकिलिंग करते समय हम नई जगहों का पता लगा सकते हैं, जिनके बारे में शायद ही कभी सुना हो। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है और हम नए अनुभव प्राप्त करते हैं। इसके अलावा हम नए लोगों से मिल सकते हैं और नई दोस्ती कर सकते हैं। इस प्रकार साइकिलिंग हमारे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसलिए इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बहुत जरूरी है ताकि हम स्वस्थ रहें और जीवन का पूरा आनंद ले सकें।

Many Drug Companies Should Have Been Banned

New Delhi (Agency): Amid recent developments in the toxic cough syrup crisis, beginning in Madhya Pradesh and now encompassing many other states, an all-India body of doctors has demanded that doctors should not be held solely responsible for child deaths. "This is very unfortunate, and we express our condolences to the families affected. Many drug companies should have been banned, and several drug combinations should not be available in the market. The Madhya Pradesh issue has shown that banned drug combinations are easily accessible," said Dr. Rohan Krishnan, Chief Patron of the Federation of All India Medical Associations (FAIMA), in an exclusive interview with NDTV.

"All individuals who approved this medicine should face strict action. The pay-for-certification system in the healthcare sector is extremely concerning," he added.

Within a few days of consuming a cough syrup, 19 children have died in rural Madhya Pradesh, and five others are in critical condition due to kidney failure. The cough syrup, Coldrif, contained dangerously high levels of diethylene glycol (DEG), a toxic industrial solvent, which led to symptoms such as lethargy and dark urine, ultimately resulting in kidney failure. The Health Ministry has confirmed that samples from the Tamil Nadu manufacturing unit of Coldrif contained DEG above permissible limits. The Center has issued an advisory limiting the use of cough syrups in very young children, and state regulators are conducting widespread testing of syrup samples across multiple batches and brands.

NDTV has accessed a 2023 report that alleges banned or highly regulated chemicals were used in the Coldrif cough syrup in excessive amounts, and mandatory warnings were missing from the labels. A 2023 central government order states that the fixed-dose combination of Chlorpheniramine Maleate IP 2 mg and Phenylephrine HCL IP 5 mg per ml "should not be used in children below four years of age."

According to the NDTV report, while only 0.1% of DEG is allowed in medicines, the cough syrups reportedly contained an alarming 46% to 48% of DEG. The syrup, prescribed to treat symptoms of cold and cough, includes chlorpheniramine maleate, paracetamol, and phenylephrine.

Coldrif, now referred to as the "killer syrup," was recently examined by drug control authorities in Tamil Nadu. On October 2, the authorities declared that the samples were found to be adulterated, containing an alarming 48.6% weight/volume of DEG.

DEG, or diethylene glycol, is used in manufacturing printing ink, glue, brake fluid, and lubricants. Its consumption can cause severe damage to the kidneys, liver, and nervous system in humans. Initial symptoms may include nausea, abdominal pain, and reduced urine output, which can quickly progress to acute kidney failure, seizures, and death.

So far, the sale, distribution, and stock of Coldrif have been banned, along with other suspect syrups made by the manufacturer Sresan Pharmaceuticals (Tamil Nadu). However, 222 bottles of Coldrif syrup (batch SR-13, manufactured in May 2025) have reportedly already been sold to consumers, while 433 bottles have been seized.

How To Protect Your Eyes In A Screen-Obsessed Age

New Delhi (Agency): World Sight Day invites people across the globe to "Love Your Eyes", a campaign that focuses on vision care as a universal health right. With at least 2.2 billion people worldwide living with vision impairment, and one billion of those having preventable or untreated conditions, eye health remains one of the most pressing global concerns. In today's world, our eyes are working overtime. From phones to laptops and tablets, screen exposure is constant, often stretching beyond 10 hours a day for many adults. Research now links excessive screen time to a growing list of problems, from eye strain and headaches to sleep disruption and even progressive near-sightedness (myopia).

A meta-analysis of 45 studies involving over 335,000 participants found that every additional hour of screen time is associated with a 21% higher risk of developing myopia. Another study published on the WHO-supported database IMSEAR found that 94.7% of medical students experienced mild to moderate "computer vision syndrome" due to prolonged screen exposure.

This World Sight Day, the reminder is simple: Screens are here to stay, but protecting your vision must be a daily habit. Research suggests screen exposure can have the following impacts on eye health:

Looking at close screens for long hours can change the eye's shape, causing near-sightedness, especially in children and teenagers. The risk grows when digital time replaces outdoor play, which has been shown to help prevent myopia.

When you stare at a screen, your blink rate drops by nearly half, drying out the eyes. The result? A gritty, burning, or tired sensation known as digital eye strain. It may also cause blurred vision, headaches, or neck pain.

Screens emit blue light, which interferes with melatonin production, the hormone that regulates sleep. While blue light is unlikely to directly damage your retina, it can disturb your sleep-wake rhythm and lead to indirect eye discomfort and fatigue.

Over time, chronic strain can trigger or worsen dry eye disease, early presbyopia (ageing eyes), and may even unmask retinal or optic nerve weaknesses, particularly in those with diabetes or hypertension.

Children's eyes are more sensitive to near-work stress and blue light exposure. According to the World Health Organization, children under two years of age should not have any screen exposure at all, while older children should have recreational screen time limited to less than one hour daily.

Digital Eye Strain - The Hidden Epidemic Of Screen-Induced Vision Problems

New Delhi (Agency): World Sight Day, observed on every second Thursday of October, aims to raise awareness about the importance of maintaining healthy vision. This year, on October 9, the world celebrates World Sight Day under the theme "Love Your Eyes." Visual impairments have physical, emotional, social, and economic ramifications. According to the World Health Organisation, at least 2.2 billion people have a near or distance vision impairment. In atleast 1 billion of these, vision impairment could have been prevented or is yet to be addressed.

In recent years, screen-induced vision problems are a growing concern among all age groups. In this digital age of computers, screens have become an integral part of our daily existence. From laptops and phones to tablets and televisions, we spend hours in front of digital screens every day. Although technology has simplified things for us, it has also imparted a silent health issue, screen vision issues, commonly referred to as Digital Eye Strain or Computer Vision Syndrome.

Whether for education, entertainment, or work, time in front of the screen has risen exponentially over the past few years. Office workers spend several hours at the computer, students take online classes, and kids waste their free time watching on mobile devices. The experts believe that individuals who use digital equipment for more than two hours daily are likely to suffer from symptoms of digital eye strain.

The signs of screen-induced eye disorders usually occur slowly. The most frequent symptoms are dryness in the eyes, blurred vision, headaches, fatigue in the eyes, and pain in the neck or shoulders. A lot of individuals also have trouble focusing, particularly after prolonged working hours. All this happens as our eyes need to adjust repeatedly to changing light, glare, and the varying distance between the screen and the eyes.

When we are looking at screens, we blink less frequently, nearly one-third less than usual. Blinking keeps our eyes lubricated and prevents dryness. Decreased blinking results in dryness and irritation. The blue light that is emitted by digital screens also leads to additional stress on the retina, disturbance in sleep patterns, and more discomfort. Inadequate posture and incorrect distance from the screen are also reasons behind this issue.

In the past, vision issues as a result of screen exposure had primarily been observed in adults who work in offices. Nowadays, with the proliferation of online learning and online gaming, even children are vulnerable.

Doctor Explains The Importance Of Regular Eye Exams For Children

New Delhi (Agency): Parents strive to give their children the best start in life through good nutrition, education, and care. However, an often overlooked but crucial aspect of a child's well-being is eye health. A child's vision plays a vital role in their development, learning, play, and interaction with the world around them. Regular eye exams are essential to ensure children have optimal vision, helping them build a strong foundation for success both academically and socially.

Children can face a variety of vision problems, many of which go unnoticed in the early stages by parents or educators. Common issues include refractive errors such as astigmatism, farsightedness (hyperopia), and nearsightedness (myopia). These conditions can cause blurred vision and make it difficult for children to see clearly at certain distances, impacting their ability to read or follow the board in class.

Another common problem is strabismus, otherwise known as crossed eyes, which occurs due to improper eye alignment. If left untreated, it can impair depth perception and cause additional vision complications. Amblyopia,

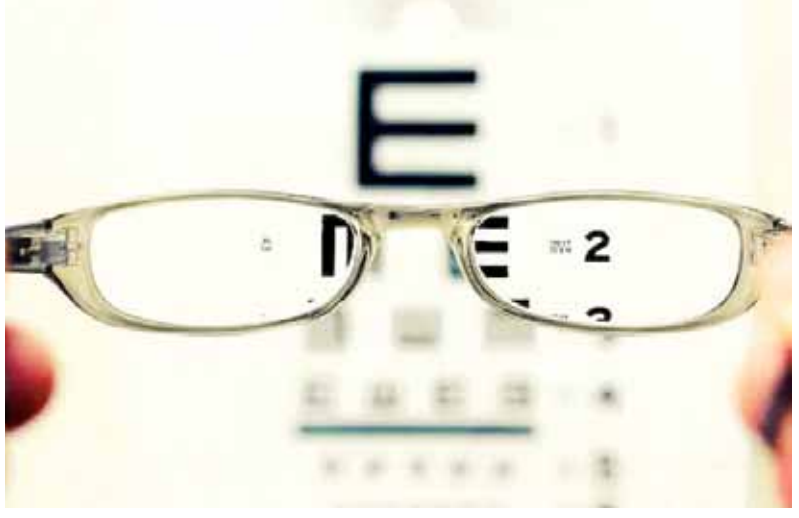

or lazy eye, happens when one eye is weaker than the other. Early detection is crucial because treatment during childhood is often very effective. Additionally, colour blindness affects a child's ability to distinguish specific colours, which can hinder learning and daily interactions.

Recognising when a child needs an eye exam is important. Sometimes the signs are obvious, but often they can be subtle. Parents should be alert to behaviours such as frequent squinting, excessive blinking, or tilting the head to see better. Covering one eye, complaining of headaches or eye pain, difficulty reading or holding books very close to the face, and trouble focusing on distant objects are also warning signs. Other indicators include rubbing the eyes excessively, poor hand-eye coordination, and avoiding activities that require clear vision, like reading or playing ball. Noticing any of these symptoms should prompt a professional eye check-up to identify and address vision problems early.

According to the American Optometric Association, children should have their first comprehensive eye exam by 6 months of age.

Why Women Avoid Breast Screening and How Diagnostics Can Help

New Delhi (Agency): For many women, the idea of going for a breast screening is shadowed by fear. Fear of hearing the worst. Fear of being judged. Fear of what life might look like if the results aren't what they hoped for. Sometimes, the hesitation is not fear but the thought that "I feel fine, so why should I bother?" These emotions, though silent and often unspoken are powerful enough to keep women away from mammograms and other diagnostic tests that could save their lives.

This avoidance is not unique to one country. A new national survey from MedStar Health in the United States shows that almost half of women aged 40 and above do not receive their annual mammogram and more than one in ten have never had one. What makes this even more concerning is that many of them are unaware of how much screening has improved. Over the past two decades, tools like genetic testing, artificial intelligence and 3D mammography have transformed accuracy, reduced unnecessary call backs and caught cancers earlier. Yet, the

very women who stand to benefit most are often the ones staying away.

India tells a similar but more worrying story. Breast cancer has now surpassed cervical cancer to become the most common cancer among Indian women, with nearly 230,000 new cases every year. The tragedy is that for every two women diagnosed, one dies from the disease. This is not only because the cancer is aggressive, but also because many women are diagnosed too late. Unlike the West, Indian women tend to develop breast cancer at a younger age, yet awareness and screening practices remain limited.

The challenges are layered. In cities, advanced imaging and oncologists may be available but the majority of India still lives in rural and semi-urban regions where diagnostic facilities are scarce. Here, women either do not have access to mammography at all or must travel far to get it. Even when services are available, social stigma and silence around family health history prevent them from timely action. Many women either do not know the symptoms to watch out for or dismiss changes in their body until it is too late.